

[illegible]

۱۰ [illegible] ۱۹۸۱ [illegible]

[illegible]

[illegible]



بشن سہسر نام سٹیک بھاشا اردو

رجسٹری شدہ



مطبع افتخار دہلی میں منشی محمد ابراہیم کے اہتمام سے چھپا

قیمت فی جلد ۵



श्रीगणेशाय नमः

[अ]थ विष्णुसहस्रनाम सटीक लिख्यते



श्लोक

यस्य स्मरण मात्रेण जन्म संसार बंधनात्। विमुच्यते नमस्तस्मै विष्णवे प्रभविष्णवे ॥१॥

[अ]र्थ — जिसके स्मरण मात्र से (मनुष्य) (जन्म मरण) रूपी संसार के बंधन से छूट जाता है उस प्रकाशवान् व्यापक विष्णु के अर्थ नमस्कार है ॥॥१॥॥

॥५॥ ॥५॥ ॥५॥ ॥५॥+॥

سری گنیشائے نمہ

یہ ترجمہ سمیت

وِشنُو سہسر نام

لکھتے ہیں

اِشلوک

یسیہ سمرن ماتر یناجنم سنسار بندہ نات * بمچیتے نمس تسمئی بشنوے پربھ بشنوے ۞ ۱ ۞

(ترجمہ)

جس کے سُمرن ماتر سے (منشیہ) (جنم مرن) روپی سنسار کے بندھن سے چھوٹ جاتا ہے اوس پرکاشوان بیاپک وِشنُو کے ارتھہ۔ نمسکار ہے + ۱ +

नमः समस्त भूतानामा-
दि भूताय भूभृते । अ-
नेक रूप रूपाय विष्णवे
प्रभ विष्णवे ॥२॥

अर्थ ~ सब जीवों से पहले हो
ने वाले अपनी शक्ती से पृथ्वी को
धारण करने वाले सर्व रूपव्या
पक प्रकाशवान् विष्णु के अ-
र्थ नमस्कार है ॥२॥

वैशंपायनउवाच । श्रु
त्वा धर्माणय शेषेण पाव
नानिचसर्वशः । युधिष्टि
रशान्तनवं पुनरेवाभ्य-
भाषत ॥३॥

अर्थ ~ वैशंपायनजी बोले ।
सब प्रकार से पवित्र सब धर्मों
को सुनकर राजा युधिष्टर भीष्म
पितामहजी को फिर बोले ॥३॥

॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥

نمہ سمست بھوتانا مادبھوتائے
بھُو بھرتے ؛ انیک روپ روپائے
بشنوے پربھ بشنوے ؛ ॥ ۲ ॥

ترجمہ۔ سب جیوں سے پہلے ہونیوالے
اپنی شکت سے پرتھوی کو دھارن کرنیوالے
سرب روپ بیاپک پرکاشواں بشنو
کے ارتھہ نمسکار ہے۔

॥ ۲ ॥ ویشم پاینُو باچہ اشرُتوا
دھرمان شیکھینا پاونانی چہ
سرب شہ ؛ یدہشتر شانت
نوم پنیر یوابھہ بھاشتا ॥ ۳ ॥

ترجمہ۔ ویشم پاین جی بولے سب پرکار
سے پوتر سب دھرموں کو سُنکر راجا
یدہستر بھیشم پتامہہ جی کو پھر بولے
॥ ۳ ॥

युधिष्ठिरउवाच । किमे
कं दैवतं लोके किंवा-
प्येकं परायणम् । स्तु
वन्तः कंक मर्चन्तः प्रापु-
युर्मानवाः शुभम् ॥४॥

अर्थ – राजा युधिष्ठिर ने कहा
कि लोक में कौनसा (वह) एक
देवता है और कौन वह एक है
जिसका मन और बुद्धी से परे स्था
न है और मनुष्य किस किसका अ-
र्चन और स्तुति करके प्राप्त हुए ॥४॥

कोधर्मः सर्व धर्माणां भ-
वतः परमोमतः । किंज
पन्मुच्यते जन्तुर्जन्म सं-
सार बंधनात् ॥५॥

अर्थ – सब धर्मों के बीच आपको
कौनसा धर्म प्रिय है और (यह) जीवा
त्मा क्या जपता हुआ जन्ममरण रूपी सं
सार के बंधन से छूट जाता है ॥५॥

یُدھشٹروباچا۔ کمیکم دیوتم لوکے
کِم واپیکم پرایئم ۔ اِستونتہ کنک
مرچنتہ پراپنیرُ مانواہ شُبھم ॥ ۴ ॥

ترجمہ راجا یُدھشٹر نے کہا۔ لوک میں کونسا
(وہ) ایک دیوتا ہے اور کون وہ ایک ہے
جسکا من اور بُدّھی سے پرے استھان
ہے اور منش کس کس کا ارچن اور اُستتی
کرکے پراپت ہوئے ॥ ۴ ॥

کودھرمہ سرب دھرماناَم بھوتہ
پرموُمتھہ ۔ کِم جپَن مُچیّتے جنتُر
جنم سنسار بندہ نات ॥ ۵ ॥

ترجمہ۔ سب دھرموں کے بیچ آپ کو کونسا
دھرم پریہ ہے اور (یہہ) جیوُ آتما کیا جپتا
ہوا جنم مرن روپی سنسار کے بندھن
سے چھوٹ جاتا ہے ॥ ۵ ॥

श्रीभीष्म उवाच । जगत्प्रभुं देवदेवमनन्तं पुरुषोत्तमम् । स्तुवन्नामसहस्रेण पुरुषः सततोत्थितः ॥६॥

अर्थ – श्रीभीष्मपितामह बोले । प्रातःकाल उठकर पुरुष संसार के स्वामी देवताओं के देवता अनंत पुरुषोत्तम की सहस्रनाम से स्तुति करता हुआ सब दुःखों को उल्लंघन कर जाता है ॥६॥

तमेव चार्चयन्नित्यं भक्त्या पुरुषमव्ययम् । ध्यायन्स्तुवन्नमस्यंश्च यजमानस्तुमेवच ॥७॥

अर्थ – भक्ती से उसी अविनाशी पुरुष का नित्य अर्चन करता हुआ – ध्यान स्तुति नमस्कार और उसी का पूजन करता हुआ मनुष्य सब दुक्खों से पार हो जाता है ॥७॥

॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥

بھیشمو باچا: جگت پربھم دیو دیوے منتم پرشوتمّم: استون نام سہسرینا پرشھ ست تو تتھ: ۶:

بھیشم پتامہہ بولے۔ پرات کال اُٹھ کر پرش سنسار کے سوامی دیوتاون کے دیوتا انت پرشوتمّ کی سہسر نام سے استتی کرتا ہوا سب دُکھوں کو اولنگھن کرجاتا ہے ॥ ۶ ॥

تمیو چارچین نتیم بھکتیا پرش مویّم: دھیائے نستون نمسیم چے یجمانستو میو چا: ۷:

ترجمہ۔ بھکتی سے اُسی ابناشی پرش کا نِتّیہ ارچن کرتا ہوا دھیان استتی نمسکار اور اُسی کا پوجن کرتا ہوا منشیہ سب دُکھوں سے پار ہو جاتا ہے۔

॥ ۷ ॥

अनादि निधनं विष्णुंसर्व
लोक महेश्वरम् । लोका-
ध्यक्षंस्तुवन्नित्यं सर्व दुः
खाति गोभवेत् ॥८॥

अर्थ - अनादि और नाश से रहि-
त संपूर्ण लोकों का ईश्वर और स्वा
मी व्यापक विष्णु की स्तुति करता
हुआ मनुष्य सब दुःखों से पार हो-
जाता है ॥८॥

ब्रह्मण्यं सर्व धर्मज्ञं लो-
कानांकीर्त्ति वर्धनम् । लो
कनाथं महद्भूतं सर्व भूत
भवोद्भवम् ॥९॥

अर्थ - दयालू और सब धर्मों को जा
नने वाला लोकों की कीर्ति बढ़ाने
वाला लोकों का स्वामी सबसे बड़ा स
ब जीवों की उत्पत्ति के कारण विष्णु
की स्तुति करता हुआ मनुष्य सब-
दुःखों से पार होजाता है ॥९॥

انادِ ندِہنم وِشنُم سرب لوک
مہیشورم لوکادِ ہکشم اِستُون
نیتّم سرب دُکھّات گوبھویت ۸

ترجمہ۔ انادی اور ناش سے رہت
سمپورن لوکوں کا ایشور اور سوامی بیاپک
وشنُو کی اِستتی کرتا ہوا منُشیہ سب
دُکھوں کے پار ہو جاتا ہے ॥ ۸ ॥

برہمنیم سب دہر مگیم لوکانام کیرت
بردہنم لوک ناتھم مہد بھوتم
سرب بھوت بہو ودبھوم ۹

ترجمہ۔ دیالو اور سب دھرموں کو جاننے
والا لوکوں کی کیرتی بڑھانے والا لوکوں کا
سوامی سب سے بڑا سب جیووں کی
اُتپتّی کے کارن وِشنو کی اِستتی
کرتا ہوا منُشیہ سب دکھوں سے پار
ہو جاتا ہے ॥ ۹ ॥

एषमे सर्व धर्माणां धर्मोऽ
धिक तमोमतः। यद्भक्त्या
पुण्डरीकाक्षंस्तवैरर्चेन्नरः
सदा॥१०॥

अर्थ – यह धर्म मुझको सब धर्मों में अधिक प्रिय है जोकि भक्ती से कमल नयन भगवान् की स्तुति और पूजन मनुष्य सदा करै ॥१०॥

परमंयो महत्तेजः परमं-
यो महत्तपः। परमंयोम
हद्ब्रह्म परमंयः परायण-
म्॥११॥

अर्थ – जो सूर्य्यादिकों में परम तेज ऋषि मुनियों में परम् तप और सब पदार्थों में परम ब्रह्म और मन वुद्ध्यादिकों से परे परम रूप है ॥११॥

॥७॥ ॥७॥ ॥७॥ ॥७॥

ایشمے سرب دہرمانام دہرمو
دِہک تموّمتھ یدبھکتیا-
پُنڈری کاکشم اِستوئی ررچے
نرہ سدا ۞ ۱۰ ۞

ترجمہ۔ یہہ دہرم مجھکو سب دہرموں میں اَدِہک پریہ ہے جوکہ بھکتی سے کمل نین بھگوان کی اِستُتی اور پُوجن مُنشیہ سدان کرے ॥ ۱۰ ॥

پرمَم یو مہتیجہ پرمَم یو مہتپتھہ پرمَم یو مہد
برمھا پرمَم یہہ پرایئنَم ۞ ۱۱ ۞

ترجمہ۔ جو سُوریادکوں میں پرم تیج رشی مُنیوں میں پرم تپ اور سب پدارتھوں میں پرم برمھ اور من بُدھیا دِکوں سے پرے پرم روپ ہے۔

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

पवित्राणां पवित्रंयो मंगलानांच मंगलम् । दैवतं देवतानांच भूतानां योऽव्ययः पिता ॥१२॥

अर्थ — और जो पवित्रों में पवित्र और सब मंगलों में मंगल और सब देवताओं के बीच देवता सब जीवों का अविनाशी एक रूप रक्षा करने वाला परमेश्वर है ॥१२॥

यतः सर्वाणि भूतानि भवन्त्यादि युगागमे । यस्मिंश्च प्रलयं यान्ति पुनरेव युगक्षये ॥१३॥

अर्थ — उसी से सृष्टि की आदि में सब जीव होते हैं फिर सृष्टि के नाश होने पर उसी में लीन हो जाते हैं ॥१३॥

॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥

پوِترانام پوترم یومنگلانام چہ منگلم دَیئیوَتم دیوتانام چہ بہوتانام یووییہ پِتا ॥ ۱۲ ॥

ترجمہ۔ اور جو پوتروں ہیں پوتر اور سب منگلوں ہیں منگل اور سب دیوتاؤں کے بیچ دیوتا سب جیوؤں کا ابناشی ایک روپ رکشا کرنے والا پرمیشور ہے ॥ ۱۲ ॥

یتھ سربانِ بُھوتانی بھونتیا دی یُوگاگمے اسمنشچہ پرلَیم یانتی پُنیر یُوگکشئے ॥ ۱۳ ॥

اُسی سے سرِشٹ کی آد میں سب جیو ہوتے ہیں پھر سرِشٹ کے ناش ہونے پر اُسی میں لین ہو جاتے ہیں۔ ॥ ۱۳ ॥ ۱۳ ॥

सत्यलोक प्रधानस्य ज-
गन्नाथस्य भूपतेः । वि
ष्णोर्नाम सहस्रस्यं शृणु-
पाप भयापहम् ॥१४॥

अर्थ — हे राजन् । उस जगत के
नाथ लोक प्रधान परमेश्वर वि
ष्णु के सहस्र नाम पाप और भ
य के नाश करने वाले मुझ से-
सुनो ॥१४॥

यानि नामानि गौणानि-
विख्यातानि महात्मनः ।
ऋषिभिः परिगीतानि ता
नि वक्ष्यामि भूपते ॥१५॥

अर्थ — हे राजन् । ऋषियों
ने भगवान् के जौनसे गुण ना
म विख्यात किये हैं उनको क
हूंगा ॥१५॥

॥ ध ॥ ध ॥ ध ॥ ध ॥

سَتْیَہ لوک پردھانسے جگناتھسیہ
بھوپتے وِشنور نام سہسرم
مے شرن پاپ بھیاپہم ॥ ۱۴ ॥

ترجمہ۔ ہے راجن۔ اوس جگت کے
ناتھ لوک پردھان پرمیشور وشنو کے
سہسر نام پاپ اور بھیئے کے ناش کرنے
والے مجھ سے سنو ॥ ۱۴ ॥

یانِ نامانِ گورانی بکھیاتانی مہاتمنہ
رشبھِ پرگیتانی تانِ وکشیام
بہوپتے ॥ ۱۵ ॥

ترجمہ۔ ہے راجن۔ رشیون نے بھگوان
کے جون سے گن نام بکھیات کیے ہیں
اُن کو کہونگا۔

॥ ۱۵ ॥ ۱۵ ॥ ۱۵ ॥

ऋषिर्नाम्नां सहस्रस्य वेद-
व्यासो महामुनिः ।छन्दो
ऽनुष्टुप् तथा देवो भगवान्
देवकी सुतः ॥१६॥

अर्थ – इन सहस्र नामों का वेद
व्यास ऋषि है और अनुष्टुप् छंद है
और देवकी पुत्र भगवान देवता है
॥१६॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ विष्णुं जिष्णुं महाविष्णुं
प्रभविष्णुं महेश्वरं । अने
क रूप दैत्यान्तं नमामि पु-
रुषोत्तमं ॥१७॥

अर्थ – अनेक रूप धारण क
रके दैत्यों को मारने वाले पुरु
षोत्तमं विष्णु महाविष्णु प्रकाश
वान् विष्णु महेश्वर को प्रणामं क
रता हूं ॥ ॥१७॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

رِشر نام نام سہسر سئے ویدوّ یا
سو مہامُنِہ چھند و اُنشٹُپ تتھا
دیو و بھگوان دیوکی سُتہ ؛ ۱۶ ؛

ترجمہ۔ اِن سہسر ناموں کا ویدوّیاس
رِشی ہے اور انشٹُپ چھند ہے اور
دیوکی پُتر بھگوان دیوتا ہے ॥ ۱۶ ॥ ॥

وِشنُم جشنُم مہاوِشنُم پربھہ
وِشنُم مہیشورم انیک روپ دیتیانتم
نتم نام پُرشوتّم ؛ ۱۷ ؛

ترجمہ۔ انیک روپ دہارن کرکے دیتیوں
کو مارنے والے پرشوتّم وِشنو مہاوشنو
پرکاشوان وِشنو مہیشور کو پرنام
کرتا ہوں ॥ ۱۷ ॥ ॥

॥ ۱۷ ॥ ۱۷ ॥

अस्य श्री विष्णोर्दिव्यसह
स्र नामस्तोत्र महामन्त्रस्य
श्रीभगवान् वेदव्यासऋ-
षिरनुष्टुपछन्दः श्रीकृष्ण
परमात्मा देवता अमृतांशु
द्भवो भानु रितिबीजम् ॥

अर्थ — इस उत्तम महा मंत्र वि
ष्णु सहस्रनाम का भगवान् वेदव्या
स ऋषि और अनुष्टुपछन्द और
श्रीकृष्ण परमात्मा देवता है अमृ-
त रूपी किरणों से उत्पन्न हुआ-
सूर्य्य यह इसमें बीज है ॥

اَسیّہ شری وِشنور دِبّیہ
سہسر نام اِستوتر مہا منتر
سیّے بھگوان وید وّیاس
رِشی رنشٹپ چھندہ شری
کرِشن پرماتما دیوتا اَمرتام
شُد بھو و بھا نُو رتی بیجم

ترجمہ۔ اس اوتم مہا منتر وشنو سہسر نام
کا بھگوان وید وّیاس رشی اور انشٹپ
چھند اور شری کرشن۔ پرماتما دیوتا ہے
امرت روپی کرنوں سے اُتپن ہوا سوریہ
اس میں بیج ہے ॥ ॥

देवकीनन्दनःस्रष्टेति श-
क्तिः त्रिसामासामगःसामे-
ति हृदयम् शंखभृन्नन्द
कीचक्रीति कीलकम् शा
र्ङ्गधन्वागदाधर इत्यस्त्र-
म् रथांगपाणिरक्षोभ्य इ-
तिकवचम् ॥२॥

अर्थ - देवकी के पुत्र संसार के उत्पन्नकरने वाले यही शक्ती अर्थात् सामर्थ्य है कर्म उपासना ज्ञानको सामवेदकीरीति से जानने वाले और सामवेदके पारगंता श्रीकृष्णसामवेद रूपहैं यह हृदय है शंख और खड्गचक्र के धारणकरने वाले यही दुष्टों को दंडऔर रोकदेने । अर्थकीलक है शारंग नाम धनुष और गदा धारणकरने वाले यह अस्त्र है रथका पहिया हाथमें धारण किया भीष्मपितामह वो राक्षसों के अर्थ यह कवच अर्थात् बखतर है ॥

دیوکی نندنہ سرشیٹت شکتی تِرِساماساگھ
سامیتِ ہِردَیم شنگھ بھرِن نندکی
چکری اِتی کیلکم شارنگ دَھنوا گدادہر
ئیتسترم رتھانگ پانی رکشوبھیا اِتی کوچم ۲

ترجمہ۔ دیوکی پُتر سنسار کے اوتپن کرنیوالے۔ یہی شکتی۔ ارتھات سامرتھ ہے کرم اوپاسنا گیان کو سام وید کی ریتی سے جاننے والے۔ اور سام وید کے پارگنتا شری کرشن سام وید روپ ہیں۔ یہ ہِردے ہے شنگھ اور کھڑگ چکر کے دھارن کرنیوالے یہی دشٹوں کو ڈنڈ اور روک دینے کے ارتھ کیلک ہے۔ شارنگ نام دہنش اور گدا دھارن کرنیوالے۔ یہ استر ہے رتھ کا پہیا ہاتھ میں دھارن کیا بھیشم پتامہ وہ راکشوں کے ارتھ۔ یہ کوچ ارتھات بکھتر ہے[1]

[1] یہ لفظ فارسی یعنی بکھتر لوہے کا ہوتا ہے جو ہاتھ میں پہنتے ہیں کہ وہ کہنی تک آجاتا ہے ۱۲

उद्भवः क्षोभणोदेव इति परमोमन्त्र श्रीकृष्णप्रीत्यर्थे सहस्रनाम स्तोत्र जपे विनियोगः ॥ अथ करन्यासः ॥

अर्थ — उत्पत्ति और विनाश करते हैं यह परम मंत्र है श्रीकृष्ण की प्रीति के अर्थ सहस्रनाम स्तोत्र के जप में विनियोग है यह पढ़कर जल छोड़ देना चाहिये। अब हाथों को पवित्र करने के अर्थ करन्यास विधि परमेश्वर के गुण कर्मों का ध्यान करके अंगूठा आदिकों को छूना चाहिये. जैसा कि आगे है ॥

اُدبھوہ کشوبھنو دیواتی پرمومنتر شری کرشن پریتر تھے سہسر نام استوتر جپے ونیوگھہ ؞ انتھہ کرنیاسہ ؞

ترجمہ۔ اوتپتی اور بناش کرتے ہیں۔ یہ پرم منتر ہے۔ شری کرشن کی پریتی کے ارتھ سہسر نام استوتر کے جپ مین ونیوگ ہے۔ یہ پڑھ کر جل چھوڑ دینا چاہئے۔ اب ہاتھوں کو۔ پوتر کرنے کے ارتھ کرنیاس بدھی پرمیشور کے گن کرموں کا دھیان کر کے۔ انگوٹھا ادکوں کو چھونا چاہئے۔ جیسا کہ آگے ہے۔

ॐ उद्भवाय अंगुष्ठाभ्यांनमः
ॐ क्षोभणाय तर्जनीभ्यांनमः
ॐ देवताय मध्यमाभ्यांनमः
ॐ उद्भवाय अनामिकाभ्यां
नमः। ॐ क्षोभणाय कनि-
ष्ठाभ्यांनमः। ॐ देवायक
रतल करपृष्ठाभ्यां नमः।
इति करन्यासः॥

अर्थ – उत्पत्ति करनेवाले के अर्थ नमस्कार है ऐसा ध्यान करके दोनों हाथों के अंगूठों को छूना चाहिये। क्षोभणाय। ऐसा कहकर तर्जनियों को छुवे। देवाय। ऐसा कह बीच की अंगुलियों को छुवे। उद्भवाय। ऐसा कह छोटी अंगुली के पास की अंगुलियां छुवे। क्षोभणाय। कहकर छोटी अंगुलियों को छुवे। देवाय। प्रकाशरूपाय। ऐसा ध्यान कर दोनों हाथों की पीठ मिला परमेश्वर को प्रणाम करै। इति करन्यास॥

اوم اُدبھوائے انگشٹھابھیام
نمہ :: اوم کشوبھنائے ترجنی
بھیّام نمہ :: اوم دیوائے
مدّہ ماابھیام نمہ :: اوم اُدبھوائے
انامکابھیّام نمہ :: اوم کشوبھنائے
کنشٹھام بھیام نمہ :: اوم دیوائے
کرتل کرپرشٹھابھیّام نمہ :: اِتی کرنیاسہ

ترجمہ۔ اوتپتّی کرنیوالے کے ارتھہ نمسکار ہے ایسا دھیان کرکے دونوں ہاتھوں کے انگوٹھونکو چھونا چاہئے کشوبھنائے۔ ایسا کہکر ترجنیوں کو چھوے دیوائے۔ ایسا کہہ کر بیچ کی انگلیوں کو چھوے۔ اُدبھوائے ایسا کہکر چھوٹی انگلی کے پاس کی انگلیوں کو چھوے۔ کشوبھنائے کہکر چھوٹی انگلیونکو چھوئے دیوائے۔ پرکاش روپائے ایسا دھیان کر دونوں ہاتھوں کی پیٹھہ ملا پرمیشور کو پرنام کرے۔ اتی کرنیاسہ

अथ हृदयादिखड़ंगन्यासः
सुव्रतः सुमुखः सूक्ष्मः ज्ञा
नाय हृदयाय नमः सहस्र
मूर्द्धा विश्वात्मा ऐश्वर्याय
सिरसे स्वाहा सहस्रार्चिः
सप्तजिव्हः शक्तैये शिखायै
वषट् त्रिसामा सामगः साम
वल्गयः कवचाय हुं ॥

अर्थ—इसके उपरांत हृदय को आ दि ले छः अंगों का स्पर्श है। सुन्दर है व्रत संकल्प जिनका। श्रेष्ठ है मुख जिसका जो सूक्ष्मज्ञान रूप परमेश्वर है। उसके अर्थ नमस्कार है। ऐसा कह हृदय के हाथ लगावे। सहस्र मस्तक वाला संसार का आत्मा ऐश्वर्य रूप भगवान ऐसा ध्यान कर शिर के हाथ लगावे। श्रेष्ठ पदार्थों की आहुति भोगने वाला स्वाहा रूप। सहस्रों शिखा जिस अग्निरूप परमेश्वर के हैं और सात जिह्वा वाला सामर्थ रूप भगवान है। ऐसे ध्यान से चोटी को छुवे। वषट् हवी भोगने वाला कहकर कांड त्रय सहित सामवेद के गान करने वाले पारंगता वल्ग रूप का ध्यान कर दोनों भुजमूलों को छुवे। हुं दुष्टों के नाश के अर्थ ॥

اتھہ ہردیادِکھڑنگ نیاسہ ؞ سُبرتہ سُمکھہ
سُوکشمہ گیاناے ہردیاے نمہ ؞ سہستر
مُوردھا وشواتما ایشوریاے سِرسے
سواہا ؞ سہسرارچِھہ سپت جِہنیا شکتی
شِکھائی وکھٹ ترِساما ساگھہ سام بلایہ
کوچاے ہُم ؞

ترجمہ۔ اسکے اوپرانت ہردے کو آدِ لے چھہ انگونکا اِسپرش ہے۔ سُندر ہے برت سنکلپ جسکا شریشٹھہ ہے مُکھہ جسکا۔ جو سوکشم گیان روپ پرمیشور ہے اُسکے ارتھہ نمسکار ہے ایسا کہکر ہردے کے ہاتھہ لگادے سہسر مستک والا سنسار کا آتما ایشوریہ روپ بھگوان ایسا دھیان کرسر کے ہاتھ لگادے۔ شریشٹھہ پدارتھونکی آہوتی بھوگنے والا سواہا روپ سہسروں شِکھا جس اگنی روپ پرمیشور کے ہیں اور سات جِہنیا والا سامرتھہ روپ بھگوان ہے۔ ایسے دھیان سے چوٹی کو چھوے۔ وُکھٹ ہوی بھوگنے والا کہکر کانڈترِیہ سہت سام وید کے گان کرنے والے پارگنتا بل روپ کا دھیان کر دونوں بُھج مُولوں کو چُھوے ہُم دُشٹوں کے ناش کے ارتھہ۔

रथांगपाणि रक्षोभ्यः तेजसे
नेत्राभ्यां वौषट् शारंगधन्वा
गदाधरः वीर्याय अस्त्राय
फट् ऋतुः सुदर्शनः का-
लः भूर्भुवः स्वरोम् दिग्बंधः
॥ इति हृदयादिन्यासः॥

अर्थ – रथका पहिया हाथ में-
राक्षसों के मारने के अर्थ हवि भोग
ने वाले परमेश्वर का ध्यान करसे
से तेज रूप भगवान का ध्यान क
र आंखों को छुवे। शारंग नाम ध-
नुष और गदा को धारण करने वा-
ले प्राक्रम रूप अस्त्र रूप का ध्यान
कर दोनों हाथों से ताल शब्द करै
छहों ऋतु रूप देखने में अच्छे ल
गें एक रस पृथ्वी अंतरिक्ष और स्व
र्ग में प्रणव रूप हो व्यापक यह दि-
शाओं का बंधन है। ऐसे हृदय को आ
दि ले न्यास करै। अर्थात् अंगों को छुवे

رتھانگ پانی رکشوبھیہ تیجسے نیترا
بھیام ووکھٹ :: شارنگ دہنوا گدادہر
بیریائے استرائے پھٹ :: رتہ سد
رشنہ کالہ بھور بھوہ سُروم دِگ بندہ::
اِتی ہردیادِنیاسہ ::

ترجمہ۔ رتھہ کا پہیا ہاتھہ میں راکشوں کے مارنے
کے ارتھہ ہوی بھوگنے والے پرمیشور کا دہیان
کر ایسے تیج روپ بھگوان کا دھیان کر آنکھوں
کو چھوے۔ شارنگ نام دُہنش اور گدا کو
دہارن کرنے والے پراکرم روپ استر روپ
کا دہیان کر دونوں ہاتھوں سے تال شبد
کرے چھَوں رِت روپ دیکھنے میں اچھے لگیں ایک
رس پرتھوی انت رکش اور سُرگ میں پرنو
روپ ہو بیاپک یہ دشاؤں کا بندھن ہے۔
ایسے ہردے کو آدِ لے نیاس کرے۔ ارتھات
انگوں کو چھوے۔

ॐशांताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम् लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यं वंदे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ॥१॥

अर्थ – शान्त मूर्ति शेषनाग पर सोने वाले कमलनाभ देवताओं के स्वामी संसार के आधार आकाश के समान नील रंग वर्ण ऋतु के सा जल वादल के सा वर्ण श्रेष्ट अंग लक्ष्मी के प्यारे कंवल की बराबर हैं नेत्र-जिसके योगियों से ध्यान प्राप्त-ऐसे संसार के भय हरने वाले संपूर्ण लोकों के एक नाथ विष्णु भगवान को में वंदना करता हूं ॥१॥

यह ध्यान भक्त करै ॥

॥ ध ॥ ध ॥ ध ॥ ध ॥

شانتاکارم بھجگ شئینم پدم نابھم سُرشم بشوادھارم گگن سدرشم ؛ میگھ ورنم شُبھانگم لکشمی کانتم کمل نئینم یوگ بھر دھیان گمّیم ؛ بندے وشنم بھو بھئے ہرم سرب لوکیک ناتھم ؛ ۱ ؛

ترجمہ۔ شانت مورتی شیش ناگ پر سونے والے کمل نابھ دیوتاؤں کے سوامی سنسار کے آدھار اکاش کے سمان رنگ برن رت کے ساجل بادل کے سا برن سریشٹھ انگ لکشمی کے پیارے کنول کے برابر ہیں نیتر جس کے یوگیوں سے دھیان پراپت۔ ایسے سنسار کے بھئے ہرنے والے سمپورن لوکوں کے ایک ناتھ وشنو بھگوان کو میں بندنا کرتا ہوں۔ یہ دھیان بھگت کرے۔

ओंविश्वं विष्णुर्वषट्कारो
भूतभव्यभवत्प्रभुः। भूत
कृत्भूतभृद्भावोभूतात्मा
भूतभावनः॥१॥

अर्थ-संसाररूप। व्यापक। देवताओं से दी हुई हविके भोजन करनेवाले। सब जीवोंके प्रकाशके स्वामी सबकी उत्पत्ति करनेवाले। सबजीवोंका भरण पोषण-करनेवाले। भक्तोंके प्यारे। सबजीवोंके आत्मा और समस्त जीवोंके प्यारे। भगवान को नमस्कार है ॥१॥

پوتاتما پرماتما چہ مُکتانام پرمام گتھہ ؎

پوتात्मा परमात्माचमुक्तानां
परमांगतिः अव्ययःपुरुषः
साक्षीक्षेत्रज्ञोऽक्षरएवच॥२॥

अर्थ-पवित्रआत्मा। औरा योगीजनोंसे ध्यानमेंजानाजाय। मुक्त पुरुषोंके परमगति के दातास्वर्गमृत्युपाताल भक्त अभक्त वाच कुवाचमें व्यापकअविनाशी। सबमेंशयनरूपसबकर्मोंकासाक्षी शरीरभेदकोजाननेवाला जिस्काकभीनाशन होय। ऐसे भगवानकोनमस्कार है ॥

اوم بشوم وشنر بکھٹ کارو
بھوت بھوّ بھوت پربھُ ؎
بھوت کرت بھوت بھرد بھاوو
بھوتاتما بھوت بھاونہ ؎ ا ؎

ترجمہ۔ سنسار روپ۔ بیاپک۔ دیوتاوں سے دی ہوئی ہوی کے بھوجن کرنیوالے سب جیوونکے پرکاش کے سوامی سب کی اوتپتی کرنیوالے سب جیوونکا بھرن پوشن۔ کرنیوالے بھگتوں کے پیارے سب جیووں کے آتما اور سمست جیوونکے پیارے بھگوان کو نمسکار ہے ؎ ا ؎

پوتاتما پرماتما چہ مکتانام پرمام گتھہ ؎
اویہ پرشھہ ساکشی کشیترگیوکشیرا اوچہ ؎

ترجمہ۔ پوترآتما۔ اور یوگی جنوں سے دھیان میں جانا جاے۔ مکت پرشون کے پرم گتی کے داتا سُرگ مرتیو پاتال بھکت ابھکت۔ باچ کُباچ میں بیاپک ابناشی سب میں شین روپ سب کرموں کا ساکشی شریر بھید کو جاننے والا جس کا کبھی ناش نہ ہو ایسے بھگوان کو نمسکار ہے ؎ ۲ ؎

योगोयोगविदांनेताप्रधान
पुरुषेश्वरः। नारसिंहवपुः
श्रीमान्केशवःपुरुषोत्तमः।३

अर्थ – चित्तकीवृत्तिकेरोकनेवाले।योगियोंकेरक्षकप्रधानपुरुषोंकेईश्वर। नृसिंहजीकाशरीरधारणकरनेवाले-शोभायमान।जलशायी।सबपुरुषोंमें उत्तमरूप।भगवानकोनमस्कारहै।३।

سرب شرب شو ستھا نر بھوتا
درنہ دھرویہ ؞ سم بھوو بھاو
نو بھرتا پربھوہ پربھ رشیشورہ ؞ ۴ ؞

सर्वः शर्वः शिवः स्थाणुर्भूता
दिर्निधिरव्ययः। सम्भवो
भावनोभर्ताप्रभवःप्रभुरी-
श्वरः॥४॥

अर्थ – सर्वरूप।और दुष्टोंके नाशकेसर्वरूप।शिवस्थिररूप।सबजीवोंके आदिईश्वर।समुद्ररूप। अविनाशी।उत्पत्तीकरनेवाले।प्यारे-पालनकरनेवाले। जिससेसबउत्पन्नहों स्वामी ईश्वरके अर्थ नमस्कारहै॥४॥ ॥५॥ ॥६॥ ॥६॥ ॥५

یوگو یوگ ودام نیتا پردھان
پرشیشورہ ؞ نارسنگھ ویہ
شری مان کیشوہ پرشوتمہ ؞ ۳ ؞

ترجمہ۔ چت کی برتی کے روکنے والے۔ یوگیوں کے رکشک پردھان پرشوں کے ایشور۔ نرسنگھ کا سا شریر دھارن کرنے والے شوبھایمان۔ جل شائی۔ سب پرشوں میں اوتم روپ۔ بھگوان کو نمسکار ہے ؞ ۳ ؞

ترجمہ۔ سرب روپ۔ اور دشٹوں کے ناش کے شرب روپ۔ شو ستھر روپ۔ سب جیووں کے آد ایشور۔ سمدر روپ ابناشی۔ اوتپتی کرنے والے۔ پیارے۔ پالن کرنے والے جس سے سب اوتپن ہوں سوامی ایشور کے ارتھ نمسکار ہے ؞ ۴ ؞ ۴ ؞ ۴ ؞

स्वयम्भूशम्भुरादित्त्यपुष्क
राक्षोमहास्वनः।अनादि-
निधनोधाताविधाताधा-
तरुत्तमः॥५॥

अर्थ-अपने आप होने वाले। महा
देवरूप। सूर्य्यरूप। कमलनयन। बड़े
भारी। शुद्धरूप। आदि अंत से रहित।
सब जगत के धारण करने वाले ब्रह्मरू
प। ब्रह्मा से भी उत्तमरूप। भगवान को
नमस्कार है ॥५॥

अप्रमेयो हृषीकेशः पद्मना-
भोऽमरप्रभुः। विश्वकर्माम-
नस्त्वष्टास्थविष्ठःस्थविरोध्रु
वः॥६॥

अर्थ-परमाण रहित इन्द्रियों के स्वा
मी। कमलनाभ देवताओं के स्वामी इन्द्र
रूप विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के प्रकाश-
क स्वायंभूव आदि मनुरूप रूपें हात्व-
ष्टा। देवता स्थिर वृद्ध और ध्रुवरूप
भगवान को नमस्कार है ॥

سو یمبھو شنبھو رادِتّے پُشکرا
کشو مہاسُنہ :: انادِ ندِ ہنو دھاتا
بدہاتا دہات رُتمہ ؛ ۵ ؛

ترجمہ۔ اپنے آپ ہونیوالا۔ مہادیو روپ۔ سوریہ روپ
کمل نین۔ بڑے بھاری۔ شُدّہ روپ۔ آدِ انت سے
رہت۔ سب جگت کے دہارن کرنے والے۔ برہم
روپ۔ برہما سے بھی اُتّم روپ بھگوان کو نمسکار
ہے ؛ ۵ ؛ ۵ ؛ ۵ ؛

اپرمے یو ہرشی کیشہ پدم نابھو
مربربھو :: بشوکرما منُستشٹا
تھوِشٹہا س تھورو دہروہ ؛ ۶ ؛

ترجمہ۔ پرمان رہت اِندریوں کے سوامی۔ کمل
نابھ۔ دیوتاؤں کے سوامی۔ اِندر روپ۔
بشوکرما۔ شلپ شاشتر کے پرکاشک سوایمبھو
آدِ منو روپ۔ روپیہا ترشٹہا۔ دیوتا اسیتھر
برِدّہ۔ اور دُہرو روپ۔ بھگوان کو نمسکار ہے
؛ ۶ ؛ ۶ ؛ ۶ ؛

अग्राह्यः शाश्वतः कृष्णो लो-
हिताक्षः प्रतर्दनः । प्रभूत-
स्त्रिककुब्धाम पवित्रं मङ्ग-
लं परम् ॥७॥

अर्थ - जो मन बुद्धि से परे । सदा रहने वाला । खैंचने वाला । ईषत रक्त हैं नेत्र जिसके । प्रतर्दन राजा रूप । जाग्रत स्वप्न सुषुप्ति तीनों में रहने वाला । शुद्ध । मंगल रूप सबसे परे है ऐसे भगवान को नमस्कार है ॥७॥

ईशानः प्राणदः प्राणो ज्येष्ठः
श्रेष्ठः प्रजापतिः । हिरण्यग-
र्भो भूगर्भो माधवो मधुसूदनः ८

अर्थ - सबका स्वामी । प्राणों का देनेवाला प्राणरूप सबसे बड़ा । अच्छा संसार का स्वामी । सूर्यादि खगोल है पेट में जिसके । पृथ्वी को भी पेट में धारन करने वाला । माया को आकाश में चलाने वाला । मधु कैटभ को मारने वाला भगवान रूप ऐसे भगवान को प्रणाम है ॥८॥ ६९ ॥

اگراہیہ شاشوتہ کرشنو لوہتاکشھہ
پرتردنہ ؛ پربھوتستری ککبدہاما
پوترم منگلم پرم ۷ ؛

ترجمہ۔ جو من بدّہی سے پرے۔ سدا رہنے والا۔ کھینچنے والا۔ ایشت رکت ہیں نیتر جسکے۔ پرتردن راجا روپ۔ جاگرت۔ سپن۔ سکھپت۔ تینوں میں رہنے والا۔ شُدّہ۔ منگل روپ سب سے پرے ہے۔ ایسے بھگوان کو نمسکار ہے ۷ ؛

ایشانہ پرانده پرانو جیشٹھہ
سریشٹھہ پرجاپتہ ؛ ہرنیہ گربھو بھو
گربھو مادھو و مدھہ سودنہ ؛ ۸ ؛

ترجمہ۔ سب کا سوامی۔ پرانوں کا دینے والا۔ پران روپ سب سے بڑا۔ اچھا سنسار کا سوامی۔ سوریادی سوگول ہے پیٹ میں جس کے۔ پرتھوی کو بھی پیٹ میں دھارن کرنے والا۔ مایا کو اکاش میں چلانے والا۔ مدھ کیٹبھ کو مارنے والا بھگوان روپ۔ بھگوان کو پرنام ہے ؛ ۸ ؛ ۸ ؛

ईश्वरोविक्रमीधन्वीमेधावी
विक्रमःक्रमः।अनुत्तमोदुरा-
धर्षःकृतज्ञःकृतिरात्मवान् ९

अर्थ-समर्थ·शूरबीर·धनुषधारी·बुद्धिवान·धारणवाला सबको उलंघन कर रहनेवाला·रीतिके साथ यथावत् वरताववाला·सबसे उत्तम·जिससे सब कोई भयमाने। कियेको माननेवाला। जगतका करता आत्माज्ञानी निजबोध रूप·परमेश्वरको प्रणाम है ॥९॥

سُریشہ شرنم شرمّا بشوریتا پرجا

सुरेशःशरणंशर्म्मविश्व
रेताप्रजाभवः।अहःसंवत्स-
रोव्यालःप्रत्ययःसर्व्वदर्शनः
॥१०॥

अर्थ-देवताओं का स्वामी·शरणागत रक्षक·कल्याणरूप·संसारका बीज·जिससे प्रजा हो·दिनरूप·परमाणुओं से ले-स्वास·पलात्मक हो·संवत्सररूप·शेष नाग हो पृथ्वीके धारण करनेवाला·ज्ञानरूप। सबको देखनेवाले·ऐसे भगवान को प्रणाम करते भये ॥१०॥

ایشورو بکرمی دہنوی میدہاوی
وکرمہ کرمہ ؛ انُتّمو دُرادہرشہ
کرتگیاہ کرترآتموان ؛ ۹ ؛

ترجمہ۔ سمرتھ۔ شوربیر۔ دہنش دہاری۔ بدّہ وان۔ دہارن والا۔ سب کو اولنگھن کر رہنے والا۔ ریتی کے ساتھ یتہاوت برتاؤ والا۔ سب سے اُتّم جس سے سب کوئی بھے مانے کئے کو ماننے والا۔ جگت کا کرتا۔ اتماگیانی۔ نج بودہ روپ پرمیشور کو پرنام ہے ؛ ۹ ؛

سُریشہ شرنم شرمّا بشوریتا پرجا
بہوہ ؛ اہہ سنبت سرو بیالہ
پرتیہ سرب درشنہ ؛ ۱۰ ؛

ترجمہ۔ دیوتاؤں کا سوامی۔ شرناگت۔ رکشک کلیان روپ سنسار کا بیج۔ جس سے پرجا ہو۔ دن روپ پرماؤں سے لے سانس۔ پلاتمک ہو سنبت سر روپ شیس ناگ ہو پرتھوی دہارن کرنے والا گیان روپ سب کو دیکھنے والے بھگوان کو پرنام ہے

؛ ۱۰ ؛ ۱۰ ؛ ۱۰ ؛

अजः सर्वेश्वरः सिद्धः सिद्धिः
सर्वादिरच्युतः। वृषाकपिर
मेयात्मा सर्वयोगविनिःसृतः ११

अर्थ - जन्ममरणरहित · सबकास्वा
मी · सिद्धान्तका जाननेवाला · अष्टसि
द्धिरूप · सबसे आदिरूप · विनाशरहि
त · कामना पूरी करनेवाला · अप्रमाण
अनंत · राजयोग · हठयोगादि सबयोग
जिससे पैदा हुए हैं · ऐसे भगवान को
नमस्कार है ॥११॥

वसुर्वसुमनाः सत्यः समात्मा
समितः समः। अमोघः पुण्डरी
काक्षो वृषकर्मा वृषाकपिः १२

अर्थ - अष्टवसुरूप · और वसुओं में
है मन जिनका · सत्यरूपको समान-
ता से देखनेवाला · जिसके समान दू-
सरा नहीं · सबएकरूप बहुरूप · कम
लनयन · कामनाके पूरण करनेवा-
ला पापों का नाशक · ऐसे भगवान
को नमस्कार है ॥१२॥

اَجَہ سروَیشوَرہ سِدَّہ سِدّہِ سرباد
رچُتّھہ :: برِکھاکپ رمے یاتما سرب
یوگ وِنِھ سِرتھہ :: ۱۱ ::

ترجمہ۔ جنم مرن رہت۔ سب کا سوامی۔ سدہانت کا جاننے
والا۔ اشٹ سدّھی روپ۔ سب سے آدِ روپ۔ بناش
رہت۔ کامنا پوری کرنے والا۔ اپرمان۔ اننت۔ راج
یوگ۔ ہٹھ یوگادِ سب یوگ جس سے پیدا ہوتے
ہیں۔ ایسے بھگوان کو نمسکار ہے :: ۱۱ ::

وسُروسُمناہ ستّیہ سماتما سمّتھہ سمہ ::
اموگھہ پُنڈری کاکشو برکھہ کرما برکھاکپہ :: ۱۲ ::

ترجمہ۔ اشٹ وسو روپ۔ اور وسوؤں میں ہے
من جس کا۔ ستیہ روپ کو سمانتا سے دیکھنے
والا۔ جس کے سمان دوسرا نہیں۔ سب ایک
روپ بہُہ روپ۔ کمل نین۔ کامنا کو پورن کرنے
والا۔ پاپوں کا ناشک بھگوان کو نمسکار ہے :: ۱۲ ::

रुद्रो बहुशिरा बभ्रुर्विश्वयो
निः शुचिश्रवाः। अमृतः शा
श्वतः स्थाणुर्वरारोहो महात-
पाः॥१३॥

अर्थ – भक्तों के दुःख को देख दया से
रोने वाला · बहुत हैं शिर जिसके · प्र
सन्न करने वाला · संसार को उत्पन्न
करने वाला · भली भांति प्रार्थना
को सुनने वाला · अमृत रूप अवि-
छिन्न · स्थिर रूप · श्रेष्ट गरुड़ है स-
वारी जिनकी। ऐसे भगवान को न
मस्कार है ॥१३॥

सर्वगः सर्वविद्भानुर्विष्वक्से
नो जनार्दनः। वेदो वेदविद्
व्यंगो वेदांगो वेदवित्कविः॥१४

अर्थ – चराचर में व्यापक · सबको जा
नने वाला · चारों ओर सेना जिसकी · भक्तों
को दुख देकर परीक्षा करने वाले। ऋक्
यजुः साम अथर्व वेदरूप · वेदों को जा
नने वाला · तत्त्वार्थवेत्ता · शिक्षा कल्प
व्याकरण निरुक्त छंद ज्योतिष इन छः
अंगरूप वेदों के तत्त्वार्थ का जानने वा-
ला · कविरूप भगवान को प्रणाम है।१४

رُدرو بُھہ شِرا ببھرُ رشو یونھہ شُچی
شِروا ہ ٭ اَمرِتھہ شاشُتھہ تھا نر برارو
ہو مھاتپاہ ٭ ١٣ ٭

ترجمہ۔بھکتوں کے دُکھہ کو دیکھہ دیا سے رونے والا۔
بہت ہیں سر جسکے۔پرسنّ کرنیوالا سنسار کو اُتپنّ کرنیوالا
بھلی بہانت پرارتھنا کو سُننے والا۔امرت روپ۔ابچھنّ
استھر روپ۔سریشٹھہ۔گرڑ ہے۔سواری جس کی۔
ایسے بھگوان کو نمسکار ہے ٭ ١٣ ٭

سَرگَھہ سَرب وِدبھانُر بشوکسینو
جنارد نہ ٭ ویدو وید وِد ویانگو
ویدانگو ویدوِتکبھہ ٭ ١٤ ٭

ترجمہ۔چراچر میں بیاپک۔سب کو جاننے والا۔چاروں
اور سینا جسکی۔بھکتوں کو دُکھہ دیکر پریکشا کرنیوالا۔رک یجُھہ
سام۔اتھرب وید روپ۔ویدوں کا جاننے والا۔
تتوارتھہ بیتا۔شکشا کلپ۔دیاکرن۔نرُکت چھند۔
جوتش۔ان چھہ انگ روپ ویدوں کے تتوارتھہ کا
جاننے والا کبی روپ بھگوان کو نمسکار ہے ٭ ١٤ ٭

लोकाध्यक्षः सुराध्यक्षोध-
र्माध्यक्षः कृताकृतिः। चतु
रात्मा चतुर्व्यूहश्चतुर्दंष्ट्रश्च
तुर्भुजः॥१५॥

अर्थ–स्वर्ग मृत्यु पाताल का स्वामी। देवताओं का स्वामी · धर्म का स्वामी · शुभ अशुभ कर्मों के फलों का दाता। जाग्रत · स्वप्न · सुषुप्ति · तुरीया। इन चारों अवस्थाओं में आत्मारूप। चतुरंगिणी सेना का रचने वाले · नृसिंह रूप · चतुर्भुज भगवान को नमस्कार करत भय॥१५॥

भ्राजिष्णुर्भोजनं भोक्ता सहि
ष्णुर्जगदादिजः। अनघो वि
जयो जेता विश्वयोनिः पुनर्वसुः

अर्थ–स्वयंप्रकाश · भक्ष भोज्य लेह्य चोस्य रूप और इनका भोगने वाला। शिशुपाल आदि राक्षसों के कठोर वचनों का सहने वाला · जगत से प्रथम होने वाला · महाविष्णु · निष्पाप · विजयरूप · जीतने वाला · संसार की उत्पत्ति का स्थान · वारंवार अवतार लेने वाले भगवान को नमस्कार है॥१६॥

لوکا دِھکشھہ سُرا دِھکشو دھرما دِھکشھہ
کرتا کرتھہ ؛ چتُرا تما چتُر بیوہش
چتُر دنگشٹرش چتُر بھجاش ؛ ۱۵ ؛

ترجمہ۔ سُرگ مرتیو پاتال کا سوامی۔ دیوتاؤں کا سوامی دہرم کا سوامی۔ شُبھہ اشُبھہ کرموں کے پھلوں کا داتا جاگرت۔ سُپن۔ سکھپت۔ تُریا۔ اِن چاروں اوستھاؤں میں آتما روپ۔ چترنگنی سینیا کا رچنے والے نرسنگھ روپ چتُربھج بھگوان کو نمسکار ہے ؛ ۱۵ ؛

بھراجشنُر بھوجنم بھوکتا سہشنُر جگدا
دِجھہ ؛ انگھو وجیو جیتا بِشویونِھہ
پُنر بسُھہ ؛ ۱۶ ؛

ترجمہ۔ سویم پرکاش۔ بھکش بھوجیہ لیہیہ چوسیہ روپ اور ان کا بھوگنے والا۔ شِشپال آدراکشسوں کے کٹھور بچنوں کا سہنے والا۔ جگت سے پرتھم ہونیوالا مہابشنو۔ نشپاپ۔ وِجے روپ۔ جیتنے والا۔ سنسار کی اوتپتی کا استھان۔ بارم بار اوتار لینے والے بھگوان کو نمسکار ہے ؛ ۱۶ ؛

उपेन्द्रो वामनः प्रांशुरमोघः शु-
चिरूर्जितः। अतीन्द्रः संग्रहः
सर्गो धृतात्मा नियमो यमः २७

अर्थ – इन्द्र के समीप रहने वाला · वाम
नावतार · सबसे ऊंचा · बहुरूप · पवित्र ·
ब्रह्मारूप · संहार करने वाला रुद्र · सृष्टि
रूप · आत्मरूप सत्य संकल्प धर्मराज
रूप हो · न्याय करने वाले भगवान के
अर्थ नमस्कार है ॥ २७ ॥

वेद्यो वैद्यः सदायोगी वीरहा
माधवो मधुः। अतीन्द्रियो महा
मायो महोत्साहो महाबलः २८

अर्थ – जानने योग्य · समस्त रोगों का
दूर करने वाला धन्वंतरी रूप · सदा स-
माधि लगाये योगी रूप · शूरबीरों को
हराने वाला · माया को आज्ञा में चला
ने वाला · सर्वप्रिय पुष्परस रूप आ
त्मा रूप · बड़ी माया रचने वाला · नि
त्य आनन्द रूप बड़े पराक्रमी परमेश्व
र को नमस्कार है ॥२८॥

اُپیندرو بامنہہ پرانشُورموگھہ شُچ
رُرجِتھہ ؛ اتیِندرہ سنگرِہ سرگو
دِہرتاتما نیمویمہ ؛ ١٧ ؛

ترجمہ - اندر کے سمیپ رہنے والا - بامناوتار سب سے
اونچا - بھوروپ - پوتر - برہماروپ سنگھار کرنیوالا -
رودر - سرشٹی روپ - آتم روپ - ستیہ سنکلپ دہرم
راج روپ ہو - نیائے کرنیوالے بھگوان کے ارتھہ پرنام ہے ١٧

وِیدّیو وَیدّیہ سدایوگی بیرہا مادہوو
مَدُہ ؛ اتیِندریو مہامایو مہوت
ساہو مہابلہ ؛ ١٨ ؛

ترجمہ - جاننے یوگ سمست روگونکا دور کرنیوالا دہنونتری
روپ - سدا سمادہ لگائے یوگی روپ - شوربیرونکا
ہرانے والا - مایا کو اگیا میں چلانے والا - سرب پریہ
پُشپ رس روپ - آتم روپ بڑی مایا رچنے والا
نتیہ انند روپ بڑے پراکرمی پرمیشور کو نمسکار
ہے - ؛ ١٨ ؛ ١٨ ؛

महाबुद्धिर्महावीर्यो महाश-
क्तिर्महाद्युतिः। अनिर्देश्यव
पुः श्रीमानमेयात्मा महाद्रिधृ-
क् ॥१९॥

अर्थ – महाबुद्धि है जिसकी · बहुत है प
राक्रम जिसका · बड़ी है सामर्थ जिसमें।
बड़ी है शोभा जिसकी · सबसे उत्तम है श
रीर जिसका · शोभास्वरूप · अथाह बुद्धि-
वाला · सुमेरु पर्वत को धारण करने वा-
ले भगवान को नमस्कार है ॥१९॥

महेष्वासो महीभर्ता श्रीनिवा-
सः सतांगतिः। अनिरुद्धः सुरान-
न्दो गोविंदो गोविदांपतिः ॥२०॥

अर्थ – बड़ा है धनुष जिसका · इन्द्ररू
प · लक्ष्मी का आश्रयस्थान · श्रेष्ठ पुरुषों
को गति ज्ञान का देनेवाला · समस्तव्या
पक · देवताओं का आनन्द स्वरूप · इन्द्रि
यों के भेद जानने वाला · योगियों के
स्वामी · ऐसे भगवान को नमस्कार क-
रते भये ॥२०॥

مہابُدّہِر مہابیریو مہاشکتر مہا
دُتھہ ؞ انِردیشیہ وپُچھہ شری
مان میے یاتما مہادِردہرک ١٩

ترجمہ۔ مہابُدّھی ہے جسکی۔ بہت ہے پراکرم
جسکا۔ بڑی ہے سامرتھہ جسمیں۔ بڑی ہے شوبہا جسکی
سب سے اوتم ہے شریر جسکا۔ شوبہا روپ۔ اتھاہ بدّھی
والا۔ سُمیر پربت کو دھارن کرنے والے بھگوان
کو نمسکار ہے ؞ ١٩ ؞ ١٩ ؞

مہیشواسو مہی بہرتا شری نِواسہ
سَتام گتِھہ ؞ انِردہ سُرانندو
گوبندِو گووِدام پتِھہ ؞ ٢٠ ؞

ترجمہ۔ بڑا ہے دہنش جسکا۔ اندر روپ۔ لکشمی کا
آشریہ استھان۔ شریشٹھہ پرشوں کو گتی گیان کا
دینے والا۔ سمست بیاپک۔ دیوتاوں کا آنند
روپ۔ اندریوں کے بھید جاننے والا۔
یوگیوں کے سوامی۔ بھگوان کو نمسکار
ہے ؞ ٢٠ ؞ ٢٠ ؞

मरीचिर्दमनो हंसः सुपर्णोभुज
गोत्तमः। हिरण्यनाभः सुतपाः
पद्मनाभः प्रजापतिः ॥२१॥

अर्थ - मरीचिऋषीरूप · दुष्टोंकानाश करनेवाला · सगुणनिर्गुणरूप · गरुड़रूप · शेषरूप · विराटरूपमेंप्रकाशरूप · सुन्दरतपरूप · कमलनाभ · ब्रह्मारूप · ऐसेभगवानकोनमस्कारहै ॥२१॥

अमृत्युः सर्वदृक्सिंहः संधा
तासंधिमान्स्थिरः। अजोदुर्म
र्षणःशास्ताविश्रुतात्मासुरारि-
हा ॥२२॥

अर्थ - मृत्युरहित · समस्त जगतको - ज्ञानचक्षु से देखनेवाला · राक्षसोंका मारनेवाला · सबजगतको धारण करनेवाला · प्रकृति पुरुषरूप · ठहरा हुआ · अजन्मा · खोटे पुरुषोंपरक्रोध करनेवाला · दंडरूप · दूरसे सुननेवाला · देवताओंके शत्रुराक्षसोंको मारनेवाला · जो धर्मात्मा है उनको प्रणामकरते भये ॥२२॥

مریچر دمنو ہنسہ سپرنو بھج گوتمہ
ہرنیہ نابھہ ستپاہ پدم نابھہ پرجا
پتیھہ ۞ ۲۱ ۞

ترجمہ - مریچ رشی روپ - دشٹونکا ناش کرنیوالا - سرگن - نرگن روپ - گرڑ روپ - سیش روپ - براٹ روپ میں پرکاش روپ - سندر تپ روپ - کمل نابھہ - برہما روپ - بھگوان کو نمسکار ہے ۞۲۱۞

امرتیھہ سرب درک سنگھہ سندھاتا
سندہ مانستہرہ ۞ اجو درمرشنھہ
شاستا وشرتاتما سراریہا ۞ ۲۲ ۞

ترجمہ - مرتیو رہت - سمت جگت کو گیان چکشو سے دیکھنے والا - راکشسوں کا مارنیوالا - سب جگت کو دھارن کرنے والا - پرکرتی پرش روپ - ٹھہرا ہوا - اجنما - کھوٹے پرشوں پر کرودھ کرنیوالا - ڈنڈ روپ - دور سے سننے والا - دیوتاؤں کے شترو راکشسونکا مارنے والا جو دھرماتما ہے اُس کو پرنام ہے ۞ ۲۲ ۞

गुरुर्गुरुत्तमोधामसत्यःस-
त्यपराक्रमः। निमिषोऽनि-
मिषःस्रग्वीवाचस्पतिरुदा
रधीः॥२३॥

अर्थ - हितका उपदेशकरनेवाला·हितके उपदेशकरनेवालोंमें उत्तम·सबमतोंका धाम तीर्थरूप·सच्चा·औरसत्य पराक्रम·वलरूप·निमिषादिसमयरूप·कालरहित·वैजयंतीमाला धारणकरनेवाला·वृहस्पतिरूप·उदारबुद्धीरूप भगवानको नमस्कार है॥२३॥

अग्रणीर्ग्रामणीःश्रीमान्न्यायो
नेतासमीरणः। सहस्रमूर्द्धावि
श्वात्मासहस्राक्षःसहस्रपात्२४

अर्थ - सब चराचरके आगेरहनेवाले निवासरूप·शोभायमान·न्यायकारी·रक्षाकर्त्ता·पवनरूप·सहस्र सिरवाला संसारका आत्मारूप अनन्त नेत्रों वाला·अनन्त पैरों से चलनेवाला·ऐसे भगवान् को प्रणाम है॥२४॥

گورُرگورُتمودہاماستّیہ ستّیہ پراکرمہ ۞
نمشونمشہ سرگوی باچسپت رُدا
ردہیہہ ۞ ۲۳ ۞

ترجمہ۔ ہت کا اوپدیش کرنیوالا ہت کے اوپدیش کرنیوالوں میں اُتّم سب متوں کا دہام تیرتھ روپ سچّا۔ اور ستّیہ پراکرم۔ بل روپ۔ نمکہادِ سمے روپ۔ کال رہت۔ بیجنتی مالا دہارن کرنیوالا۔ برہسپتی روپ۔ اُودار بدّھی روپ بھگوان کو نمسکار ہے ۞ ۲۳ ۞

اگرنی گرامنیہ شری مان نیایو
نیتا سمیرنہ ۞ سہسر مُوردھا
بشواتما سہسر اکشہ سہسرپات ۲۴ ۞

ترجمہ۔ سب چراچر کے آگے رہنے والا۔ نواس روپ۔ شوبھائے مان۔ نیائے کاری۔ رکشا کرتا۔ پون روپ۔ سہسر سر والا۔ سنسار کا آتما روپ۔ اننت نیتروں والا۔ اننت پیروں سے چلنے والا۔ ایسے بھگوان کو پرنام ہے ۞ ۲۴ ۞

आवर्तनो निवृत्तात्मा संवृतः सं
प्रमर्दनः। अहःसंवर्तको वह्नि
रनिलो धरणीधरः ॥२५॥

अर्थ-अवतार रूप धारण करनेवा-
ला· इन्द्रियादि से परे· निर्गुण रूप होने
वाला· राक्षसों का मर्दन करनेवाला· ज्ञा
नरूप· संवर्तक नाम· मेघरूप· अग्नि
रूप· पवनरूप· शेषनागरूप· भगवा
न के अर्थ प्रणाम है ॥२५॥

सुप्रसादः प्रसन्नात्मा विश्वधृ
ग्विश्वभुग्विभुः। सत्कर्ता
सत्कृतः साधुर्जह्नुर्नारायणो
नरः ॥२६॥

अर्थ-भलीभांति प्रसन्नरूप· सदाप्र
सन्न रहनेवाला· दुःखत्रयरहित· संसा
र का धारण करनेवाला· संसार के-
सुख का भोगनेवाला· सत्य का बनाने
वाला आदर के योग्य· भक्तों के काज-
सिद्ध करनेवाला· जह्नुरूप· जल में
निवास करनेवाला· नररूप भगवान
को प्रणाम है ॥२६॥

آبرتنو نبرتاتما سبرتہ سم پرمردنہ آہت
سنبرتکو بہنی رنلو دہرنی دہرہ ۲۵

ترجمہ۔ اوتار روپ دھارن کرنیوالا۔ اندریاد سے پرے۔
نرگن روپ ہونیوالا۔ راکشسوں کا مردن کرنیوالا گیان
روپ۔ سنبرتک نام میگہہ روپ۔ اگنی روپ۔ پون
روپ۔ شیس ناگ روپ بھگوان کے ارتھ
پرنام ہے ۲۵

سپرسادہ پرسنّاتما بشودھرگ بشو
بھگ ببھہ ۔ ست کرتا ست کرتہ
سادہر جنہر نارائنو نرہ ۲۶

ترجمہ۔ بھلی بہانتی پرسن روپ۔ سدا پرسن رہنے
والا۔ دکھ تریہ رہت سنسار کو دھارن کرنیوالا سنسار
کے سکھ کا بہوگنے والا۔ ستیہ کا بنانیوالا۔ آدر کے
یوگ۔ بھگتوں کے کاج سدہ کرنے والا۔
جنہو روپ جل میں نواس کرنیوالا۔ نر روپ
بھگوان کو پرنام ہے ۲۶

असंख्येयोऽप्रमेयात्मा विशिष्टः
शिष्टकृच्छुचिः । सिद्धार्थः सि
द्धसंकल्पः सिद्धिदः सिद्धिसा
धनः ॥ २७ ॥

अर्थ — जिसका वारापार नहीं · जो अ-
नुमान से न आसके सब में मिला हुआ
वेदविहित · अनुष्ठान का करने वाला ·
पवित्ररूप · सिद्धप्रयोजन · जो चाहे
सो करे · अष्ट सिद्धियों का दाता · सिद्धि
यों के साधने वाले परमेश्वर को प्रणाम
करते भये ॥ २७ ॥

वृषाही वृषभो विष्णुर्वृषपर्वा
वृषोदरः । वर्द्धनो वर्द्धमानश्च
विविक्तः श्रुतिसागरः ॥ २८ ॥

अर्थ — कामनाओं के सिद्ध करने वाला
धर्मरूप · व्यापक · धर्मपर्वरूप · भीमसे
नरूप · वृद्धी करने वाला · और बढ़े
गा सब से न्यारा · श्रुति नाम वेद का स
मुद्र · अर्थात् जिससे वेद प्रगट हुए
हैं · ऐसे चैतन्य भगवान को नमस्का
र है ॥ २८ ॥ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥

اسنکھیے یو پرمے یاتما وِشِشٹہ شِشٹ
کرچھُچھ ۔ سِدّھارتھہ سِدّھ
سنکلپھہ سِدّھہ وِدہ سِدّھہ سادہنہ ۲۷

ترجمہ جسکا وارا پار نہیں ۔ جو انماں سے نہ آسکے سب
میں ملا ہوا ۔ وید وِہت ۔ انشٹہاں کا کرنیوالا ۔ پوتر روپ
شدّہ پریوجن ۔ جو چاہے سو کرے ۔ آشٹ سدّہیوں
کا داتا ۔ سدّھیوں کے سادھنے والے ۔ پرمیشور کو
پرنام ہے ۔ ۲۷ ۔

برکھاہی برکھبھو وشنر برکھہ پروا
برکھودرہ ۔ بردھنو بردہماںشچہ بِبکتھ
شُرت ساگرہ ۔ ۲۸ ۔

ترجمہ ۔ کامناؤں کا سِدّہ کرنیوالا ۔ دہرم روپ بیاپک
دہرم پرب روپ ۔ بھیم سین روپ ۔ بردہی کرنے
والا ۔ اور بڑھے گا سب سے نیارا ۔ شُرتی نام
وید کا سمدر ۔ ارتھات جس سے وید پرگٹ ہوئے
ہیں ایسے چیتن بھگوان کو نمسکار ہے ۔ ۲۸ ۔

सुभुजो दुर्द्धरो वाग्मी महेन्द्रो व-
सुदो वसुः। नैकरूपो बृहद्रूपः
शिपिविष्टः प्रकाशनः ॥२९॥

अर्थ - सुन्दर भुजावाला · कठिनता से वश में आनेवाला · बहुत बोलनेवाला · इन्द्ररूप · धनका देनेवाला · धनरूप · अनेकरूपधारी · सबसे बड़ा · विराटरूप · महादेवरूप · प्रकाशरूप · ऐसे भगवान को प्रणाम है ॥२९॥

ओजस्तेजोद्युतिधरः प्रकाशा-
त्मा प्रतापनः। ऋद्धः स्पष्टाक्ष-
रो मंत्रश्चन्द्रांशुर्भास्करद्युतिः ३०

अर्थ - बल दाह प्रकाश को धारन करनेवाला · चांडालरूप · दुष्टों का तपानेवाला · ऋद्धिरूप · प्रत्यक्ष · अवतारधारी · अविनाशी · मंत्ररूप · वेदमूर्ति · चन्द्रकिरणरूप · सूर्य्यरूप · तुल्यकांति वाले · ऐसे परमेश्वर को प्रणाम है ॥३०॥

سُبھُجو دُردہرو واگمی مہیندرو
وَسُدو وسُھ :: نیک رُوپو
برہدرُوپہ شِپ وِشٹھ
پرکاشنھ :: ۲۹ ::

ترجمہ۔ سُندر بھجا والا کٹھنتا سے بس میں آنیوالا بہت بولنے والا۔ اندر روپ۔ دہن کا دینیوالا۔ دہن روپ۔ انیک روپ دہاری۔ سب سے بڑا۔ براٹ روپ۔ مہادیو روپ۔ پرکاش روپ بھگوان کو پرنام ہے :: ۲۹ ::

اوجستیجو دُتِ دہرہ پرکاشاتما
پرتاپنھ :: رِدہ سپشٹاکشرو
منترش چندرام شربہاسکردُتھ :: ۳۰

ترجمہ۔ بل داہ پرکاش کو دہارن کرنیوالا چانڈال روپ دُشٹوں کا تپانے والا۔ رِدہ روپ۔ پرتکش اوتار دہاری۔ ابناشی۔ منتر روپ۔ وید مورتی۔ چندر کرن روپ۔ سوریہ روپ تُولیہ کانتی والے پرمیشور کو پرنام ہے

:: ۳۰ :: ۳۰ ::

अमृतांशुद्भवोभानुःशशिवि-
न्दुःसुरेश्वरः।औषधंजगतः
सेतुःसत्यधर्मपराक्रमः ३१

अर्थ - अमृतरूपी किरणोंको उत्पन्न करनेवाला · भानुरूप · अमृत पानकरनेवाला ललाटसे अमृतरूप · इन्द्ररूप · औषधीरूप · रामचन्द्ररूप · सत्यधर्मरूपी · वलके धारण करनेवाला जो ईश्वर है उसको प्रणाम है ३१

भूतभव्यभवन्नाथःपवनःपा
वनोऽनलः।कामहाकामकृ-
त्कांतःकामःकामप्रदःप्रभुः
॥३२॥

अर्थ - तीनोंकालकास्वामी · वायुरूप · पवित्ररूप · अग्निरूप · कामदेवको भस्मकरनेवाला · शिवरूप · कामदेवके उत्पन्नकरनेवाला · कृष्णरूप · मनोहररूप · कामरूप · कामनाका देनेवाला स्वामी भगवान जो हैं उनको नमस्कार है। ॥३२॥

امرتانشد بہو و بہانُہ ششِ بندُہ
سُریشورہ :: اَوشدہم جگتہ سیتُہ
ستّیہ دہرم پراکرمہ :: ۳۱ ::

ترجمہ - امرت روپی کرنوں کو اُوتپّن کرنے والا - بہانو روپ - امرت پان کرنیوالا - للاٹ سے امرت روپ - اِندر روپ - آوشدہی روپ - رامچندر روپ - ستّیہ دہرم روپی - بل کا دہارن کرنیوالا - جو ایشور ہے اسکو پرنام ہے :: ۳۱ ::

بہوت بہوّ بہونّاتھہ پونہ پاونو
نلہ :: کام ہا کام کرت کانتہ کامہ
کام پردہ پربہو :: ۳۲ ::

ترجمہ - تینوں کال کا سوامی - بایو روپ - پوتر روپ اگنی روپ - کامدیو کو بھسم کرنے والا - شیو روپ کام دیو کا اوتپّن کرنے والا - کرشن روپ منوہر روپ - کام روپ - کامنا کا دینے والا سوامی بھگوان جو ہے اوسکو نمسکار ہے :: ۳۲ ::

युगादिकृद्युगावर्त्तो नैकमायो महाशनः। अदृश्योव्यक्तरूप श्च सहस्रजिदनन्तजित् ३३

अर्थ — युगोंका आरंभ करने वाला युगोंको भ्रमानेवाला अनेक मायारूप प्रलयकरनेवाला वाणीसेऔरमन सेपरे सगुणरूप सहस्रोंको जीतने वाला अनगिनतोंको जीतनेवाला जो है उसके अर्थ नमस्कार है ॥ ३३॥

इष्टोविशिष्टः शिष्टेष्टः शिखंडी नहुषोवृषः। क्रोधहाक्रोधकृत्कर्त्ता विश्वबाहुर्महीधरः॥३४॥

अर्थ — उपासनाके योग्य सबमें मिलाहुआ शिव ब्रह्मादिकोंका उपास्यदेव मोरमुकटधारी नहुषराजारूप धर्मरूप क्रोधका नाशक रामचन्द्ररूप क्रोधकरनेवाला परशुरामअवतार जगतका करनेवाला चारोंओर हाथोंवाला पृथ्वीको धारणकरनेवाले परमेश्वरको प्रणाम है ॥३४॥

یُگادِکرِدُّگاوَرتو نَیک مایو مہاشنہ ادرِشیو بیکت رُوپشچ سہسر جِدننت جِت ۳۳

ترجمہ یُگوں کا آرنبھ کرنیوالا۔ یگونکو بھرمانیوالا انیک مایا روپ پرلے کرنیوالا۔ بانی سے اور من سے پرے سگن روپ سہسروں کو جیتنے والا۔ انگنتوں کو جیتنے والا۔ جو ہے اُسکے ارتھ پرنام ہے ۳۳

اِشٹو وِششٹہ شِشٹیشٹہ شِکھنڈی نہُشو برکھہ کرودھ ہا کرودھ کرت کرتا بشو باہُر مہی دھرہ ۳۴

اُپاسنا کے یوگ سب میں ملاہوا شیو برہمادِکوں کا اُپاسیہ دیو۔ مورمُکٹ دھاری نہُش راجا روپ دھرم روپ۔ کرودھ کا ناشک رام چندر روپ کرودھ کرنیوالا پرشرام روپ اوتار جگت کا کرنیوالا چاروں اور ہاتھوں والا پرتھوی کو دھارن کرنیوالے پرمیشر کو پرنام ہے ۳۴

अच्युतःप्रथितःप्राणःप्राणदो
वासवानुजः।अपांनिधिरधि
ष्ठानमप्रमत्तःप्रतिष्टितः ३५

अर्थ – जिसका नाश नहो · विस्तार-रूप · प्राणवायुहो जिलानेवाला प्राणों कादाता · वामनअवतार · समुद्ररूप · सबजगतकाअधिष्ठान · स्थानरूप · मदरहित · प्रतिष्ठितभगवानको प्रणाम है ॥ ३५ ॥

اچیتھہ پرتھتھہ پرانہ پران دووا سوا
نجھہ :: آپام ندہی رد ہشٹھانا
مپرمتھہ پرتشتتھہ :: ۳۵ ::

جس کا ناش نہو بستار روپ - پران بایو ہو جلانے والا - پرانوں کا داتا - بامناوتار - سمدر روپ - سب جگت کا ادہشٹھان استھان روپ - مدرہت پرتشٹت بھگوان کو پرنام ہے :: ۳۵ ::

स्कंदःस्कंदधरोधुर्योवरदोवा-
युवाहनः।वासुदेवोवृहद्भानु
रादिदेवःपुरंदरः ॥ ३६ ॥

अर्थ - स्वामकार्तिकरूप · स्वामकार्तिकको धारण करने वाला · सबकेअग्रणी · वरका देने वाला · वायुपर सवार होने वाला · मनरूप · सबमें बसने वाला · बड़ासूर्य्यरूप · आदिदेव · इन्द्र-रूप · ऐसे परमेश्वर को प्रणाम करते भये ॥ ३६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७

اسکندہ اسکندہر ودہریو بر
دوبایو باہنہ :: باسدیوو
بربدبہانو رادِ دیوہ پرندرہ :: ۳۶ ::

ترجمہ - سوام کارتک روپ - سوام کارتک کا دہارن کرنیوالا - سب کے اگرنی - بر کا دینے والا بایو پر سوار ہونے والا - من روپ - سب میں بسنے والا - بڑا سواریہ روپ - آدیو اندر روپ مہیشور کو پرنام ہے :: ۳۶ ::

अशोकस्तारणस्तारः शूरः शौ-
रिर्जनेश्वरः। अनुकूलः शता
वर्त्तः पद्मीपद्मनिभेक्षणः ।३७

अर्थ - शोक रहित· संसार से तारने
हारा· तारणरूप· शूरवीर· वसुदेवजी
के पुत्र· मनुष्यों का स्वामी· राजारूप·
भक्तों के अनुकूल· मायारूप· भंवर-
जाल में घुमाने वाला· कमलरूप· क-
मल नयन परमात्मा को प्रणाम है ३७

पद्मनाभोरविंदाक्षः पद्मगर्भ
शरीरभृत्। महर्द्धिरृद्धो वृ-
द्धात्मा महाक्षो गरुडध्वजः

अर्थ - कमल है नाभि में जिसके· क
मल के सदृश हैं नेत्र जिसके· पद्म है
उदर में जिसके· शरीर धारण करने
वाला· महान संपद वाला· ऋद्धि रू
प· वड़ों का आत्मा· फैली हुई इन्द्रि-
यां जिसकी· गरुड़ है सवारी जिसकी
ऐसे भगवान को नमस्कार है ।।३८।।

اَشوکستارَستارہ شورہ شَو رِرِ
جنیشورہ :: اَنکولھ شتا برَتہ
پدمی پدم نبھیکشنھ :: ۳۷ ::

ترجمہ۔ شوک رہت۔ سنسار سے تارنے ہارا۔ تارن روپ
شور بیر۔ بسدیو کا پتر۔ منشیوں کا سوامی۔ راجا روپ
بھکتوں کا انکول۔ مایا روپ بھنور جال میں گھمانیوالا۔
کمل روپ کمل نین پرماتما کو پرنام ہے :: ۳۷ ::

پدم ناہو رِبند اکشھ پدم گربھ
شریر بہرت :: مہرّدّہی رِدّہو
بِرِدّہاتما مہاکشو گرڑدہبجھ :: ۳۸ ::

ترجمہ۔ کمل ہے نابھی میں جسکے۔ کمل کے سدرش
ہیں نیتر جس کے۔ پدم ہے اُودر میں جسکے شریر دہارن
کرنے والا۔ مہان سمپد والا۔ رِدّہی روپ۔
بڑوں کا آتما۔ پھیلی ہوئی اندریاں جسکی گرڑ ہے
سواری جس کی ایسے بھگوان کو نمسکار ہے :: ۳۸ ::

अतुलः शर्वो भीमः समयज्ञो ह-
विर्हरीः । सर्वलक्षणलक्षण्यो
लक्ष्मीवान् समितिंजयः ॥ ३९ ॥

अर्थ — जो तोलने में न आवे · सरभंग
रूप · भयावनी सूरत · नरसिंह रूप · स
वको समान दृष्टी से देखने वाला · यज्ञ
भाग लेने वाला · सब लक्षणों कर के -
युक्त · कुवेर रूप · युद्ध जीतने वाले · ऐ
से परमात्मा को प्रणाम है ॥ ३९ ॥

विक्षरो रोहितो मार्गो हेतुर्दामो
दरः सहः । महीधरो महाभागो-
वेगवान मिताशनः ॥ ४० ॥

अर्थ — विशेष करके नाशमान जग
त रूप · रजोगुण रूप · मार्ग रूप · कार
ण रूप · यशोदा ने रस्सी कमर से बाँ-
धी जिसके · सहने वाला · क्षमा रूप · प
र्वत रूप · पृथ्वी का भाग रूप · चंचल
रूप · अप्रमाण भोजन करने वाला · भी
मसेन रूप · जो ईश्वर हैं उनको प्रणाम है
॥ ४० ॥

اَتُلھہ شَربھو بِھیمھ سَم یَگیُو ہوِر
ہرِیھہ ؞ سرب لکشن لکشنیُو
لکشمی وان سَمِتنجَیھہ ؞ ۳۹ ؞

ترجمہ۔ جو تولنے میں نہ آوے۔ سربھنگ روپ۔
بھیاونی مورت۔ نرسنگہ روپ۔ سب کو سماں
درشٹی سے دیکھنے والا۔ یگیہ بھاگ لینے والا۔ سب
لکشنوں کر کے یُکت۔ کنور روپ۔ یُدہ جیتنے والے
پرماتما کو پرنام ہے ؞ ۳۹ ؞

وِکشرو روہتو مارگو ہیتُر دامودرہ
سہھہ ؞ مہی دہرو مہا بھاگو
بیگوان مِتاشنھہ ؞ ۴۰ ؞

ترجمہ۔ وِشیش کر کے ناش مان جگت روپ۔
رجوگُن روپ۔ مارگ روپ۔ کارن روپ یشودا نے
رسّی کمر میں باندھی جسکے۔ سہنے والا۔ چھما روپ۔ پربت روپ۔
پرتھوی کا بھاگ روپ چنچل روپ۔ اپرمان بھوجن کرنے والا۔
بھیم سین روپ جو ایشر ہے اُسکو پرنام ہے ؞ ۴۰ ؞

उद्भवः क्षोभणो देवः श्रीगर्भः प-
रमेश्वरः । करणं कारणं कर्त्ता
विकर्त्ता गहनो गुहः ॥ ४१॥

अर्थ – उत्पत्तीरूप क्रोधरूप प्रका
शवान अनेक प्रकारकी विभूतिहैं जि
समें योगीजनों से जाना हुआ ईश्वर
आश्रयरूप कारणरूप संसारके ब
नानेवाला तथा फैलानेवाला गूढ़ा
शय स्वामकार्तिक रूप ऐसे परमेश्वर
को प्रणाम है ॥ ४१॥

व्यवसायो व्यवस्थानः संस्था
नःस्थानदो ध्रुवः । परर्द्धिः परमः
स्पष्टस्तुष्टः पुष्टः शुभेक्षणः ४२

अर्थ – आजीविरूप ठीकठीक का
म करनेवाला चित्तका विश्राम देनेवा
ला अचलरूप ब्रह्मविद्यारूप यो
गीजनों का उपास्य प्रत्यक्षरूप सदा
प्रसन्न रहनेवाला पुष्टरूप मोटा
सुंदर हैं नेत्र जिसके ऐसे ईश्वर को
प्रणाम है ॥ ४२॥

اُدبھوہ شوبھنو دیوہ شری گربھہ
پرمیشورہ :: کرنم کارنم کرتا بکرِتا
گہنو گُہُہ :: ۴۱ ::

ترجمہ۔ اُتپتّی روپ۔ کرودھ روپ۔ پرکاشواں۔
انیک پرکار کی بھُوتی ہیں جس میں۔ یوگی جنوں سے
جانا ہوا ایشور۔ آشریہ روپ۔ کارن روپ۔ سنسار کا
بنانیوالا اتنہا پھیلانیوالا۔ گوڑھا شئے سوام کارتک
روپ پرمیشور کو پرنام ہے :: ۴۱ ::

بِوسایو بوسِتھانہ سَنستھان دو
دُھروہ :: پررِدھی پرمہ سپشٹش
تُشٹھ پُشٹھ سُبھیکشنا :: ۴۲ ::

ترجمہ۔ آجیوکا روپ۔ ٹھیک ٹھیک کام کرنے والا۔
چتّ کا بشرام دینے والا۔ اچل روپ برہم
وِدّیا روپ۔ یوگی جنوں کا اُوپاسیہ پرتکش
روپ۔ سدان پرسّن رہنے والا۔ پُشٹ
روپ موٹا۔ سُندر ہیں نیتر جس کے۔ ایسے
ایشور کو پرنام ہے :: ۴۲ ::

रामोविरामोविरजोमार्गोनेयो
नयोनयः।वीरःशक्तिमतांश्रे-
ष्ठोधर्मोधर्मविदुत्तमः॥४३॥
अर्थ-योगीजिसमेंरमणकरें·विश्रा
मरूप·रजोगुणरहित·धर्ममार्गरूप·
प्राप्तहोनेयोग्य·न्यायकारी·भक्तोंकेअ
र्थअन्यरूप·शूरवीर·बलवानोंमेंश्रे
ष्ठः·धर्मरूप·धर्मजाननेवालोंमेंउत्त
मरूप·ईश्वरकोप्रणामहै॥४३॥

वैकुण्ठपुरुषःप्राणःप्राणदःप्र
णवःप्रथुः।हिरण्यगर्भःशत्रु-
घ्नोव्याप्तोवायुरधोक्षजः॥४४
अर्थ-वैकुंठधामरूप·सबजीवोंमें
गुप्तस्थित·प्राणवायुरूप·प्राणोंका-
देनेवाला·प्रणवरूप·पृथुकाअवता
र·ब्रह्मारूप·शत्रुओंकामारनेवाला·
व्यापक·वायुरूप·इन्द्रियोंसेपरेजो
परमेश्वरहै·उसकोप्रणामहै॥४४॥
॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥

رامو برامو برجو مارگو نیونیونیہ ؛
بیرہ شکت متام سریشٹو
دہرمو دہرم ودُتمہ ؛ ۴۳
ترجمہ - یوگی جس میں رمن کریں - بشرام روپ -
رجوگُن رہت - دہرم مارگ روپ - پراپت ہونے یوگیہ
نیاے کاری - بھکتوں کے ارتھ انیہ روپ - شُور بیر
بلوانوں میں سریشٹھ - دہرم روپ - دہرم جاننے
والوں میں اُتم روپ ایشور کو پرنام ہے ؛ ۴۳

بیکُنٹھ پُرشہ پرانہ پران دہ پرنوہ
پرتھُہ ؛ ہرنیہ گربھہ شترگھنو بیاپت
بایُو ردہو کشجہ ؛ ۴۴
ترجمہ - بیکُنٹھ دہام روپ - سب جیووں میں گُپت
استہت - پران بایُو روپ - پرانوں کا دینے والا
پرنو روپ - پرتھُ کا اوتار - برہما روپ - شتروں
کا مارنے والا - بیاپک - بایُو روپ - اندریوں
سے پرے جو پرمیشور ہے اُسکو پرنام ہے ؛ ۴۴

क्रतुःसुदर्शनःकालःपरमेष्ठी
परिग्रहः।उग्रःसम्वत्सरोदक्षो
विश्रामोविश्वदक्षिणः॥४५॥

अर्थ - छहोंक्रतुरूप·सुदर्शनचक्र रूप·कालभगवान·ब्रह्मारूप·परिक रूप·महादेवरूप·सम्बत्सरद्वाद समासवाला·बड़ाचतुर·शांतरूप· संसारसेरहित·भगवानकेअर्थनम स्कार है॥४५॥

विस्तारःस्थावरःस्थाणुप्रमा
णंवीजमव्ययं।अर्थोऽनर्थो
महाकोशोमहाभोगोमहाधनः
॥४६॥

अर्थ - सबस्थानोंमेंफैलाहुआ·ठ हराहुआ·स्थिररूप·माननीय·संसार कावीजरूप·अविनाशी·धनरूप·प्र योजनसेरहित·महाकोशअर्थात् सबविद्याओंकानिधि·अत्यन्तभो ग·सुखरूप·बड़ाधनरूप·ऐसेभ गवानकोप्रणामहै॥४६॥

رِتھُہ سُدرشنھ کالھ پرمیشٹی پری
گرہھ: اُگرہ سمبت سرو دکشو
بشرامو بشو دکشنھ : ۴۵ :

ترجمہ چھوں رِت روپ - سُدرشن چکر روپ کال بھگوان - برہما روپ - پرکر روپا مہادیو روپ سمبت سر دوادس ماس والا - بڑا چتر - شانت روپ سنسار سے رہت بھگوان کے ارتھہ نمسکار ہے : ۴۵ :

وِستارہ استھاورہ ستھانو پرمانم
بیج مویم : ارتھو نرتھو مہا
کوشو مہا بھاگو مہا دھنھ : ۴۶ :

ترجمہ سب استھانوں میں پھیلا ہوا - ٹھہرا ہوا - استھر روپ مان نیہ - سنسار کا بیج روپ - بناشی دھن روپ - پر یوجن سے رہت - مہا کوش ارتھات سب وِدیاؤں کا ندھی - اتینت بھوگ سُکھ روپ - پڑا دھن روپ بھگوان کو پرنام ہے : ۴۶ : ۴۶ :

अनिर्विण्णः स्थविष्ठोभूर्द्धर्मयूपोमहामखः। नक्षत्रनेमिर्नक्षत्रीक्षमःक्षामःसमीहनः ४७

अर्थ – लज्जारहित परमहंसरूप। सदा रहनेवाला · अंतरिक्षरूप · धर्मकास्तव · महायज्ञरूप · शिशुमारऔर चन्द्ररूप · सबसेऊँचा भगवाला · क्षमारूप · सूक्ष्मरूप · श्रेष्ठ इच्छाकरनेवाले ईश्वर को प्रणाम है ॥ ४७ ॥

यज्ञइज्योमहेज्यश्चक्रतुःसत्रंसतांगतिः। सर्वदर्शीविमुक्तात्मासर्वज्ञोज्ञानमुत्तमम् ४८

अर्थ – यज्ञरूपभगवान · सबोंकापुज्य महानपुज्य · यज्ञाऽवतार · साक्षात् यज्ञकाअंग · सज्जनोंकोप्राप्त होनेवाला सबजीवोंका द्रष्टा · सबसे न्यारा · सबको जाननेवाला · ज्ञानरूप सबसे बड़े परमेश्वर को नमस्कार है ॥

॥ ४८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

اَنِرْوِنّہ ستھ وِشٹو بھُور دہم یُو پو
مہامکھہ :: نکشتر نیم نکشتری
چھمہ چھامحہ سَمیحہ نَہ :: ۴۷ ::

ترجمہ۔ لجّارہت پرم ہنس روپ۔ سدا رہنے والا۔ انت رکش روپ۔ دہرم کا اِستو۔ مہایگیہ روپ۔ شِشومار اور چندر روپ۔ سب سے اونچا بھگ والا۔ چھماروپ۔ سوکشم روپ۔ سریشٹھ اِچھا کرنیوالے ایشور کو پرنام ہے :: ۴۷ ::

یگیہ اِجّو مہیجیہ چ کرتُھ سَتَرم سَتام گتِھ
سرب درشی وِمکتاتما سرگیو گیان متّم :: ۴۸ ::

ترجمہ۔ یگیہ روپ بھگوان۔ سبوں کا پوجیہ۔ مہا پوجیہ یگیاوتار۔ ساکشات یگیہ کا انگ۔ سجّنوں کو پراپت ہونے والا۔ سب جیووں کا دِرشٹا۔ سب سے نیارا۔ سب کو جاننے والا۔ گیان روپ۔ سب سے بڑے پرمیشور کو نمسکار ہے :: ۴۸ ::

सुव्रतः सुमुखः सूक्ष्मः सुघोषः
सुखदः सुहृत् । मनोहरोजित-
क्रोधोवीरबाहुर्विदारणः ४९
अर्थ – सुन्दर है संकल्प जिनका और सुहावना मुख · सूक्ष्मस्वरूप · वेदरूप · सबका देनेवाला · भक्तोंका मित्र · मनको हरनेवाला · जीता है क्रोध जिसने · आजानुतक हैं हाथ जिसके · हिरण्यकश्यपुका पेट फाड़नेवाला · नृसिंह भगवानको नमस्कार है ॥४९॥

स्वापनः स्ववशो व्यापी नैका
त्मानैककर्मकृत । वत्सरोव-
त्सलोवत्सीरत्नगर्भो धनेश्वरः
अर्थ – शेषशायी स्वाधीन व्यापक अनेक आत्मारूप अनेक कर्मकरनेवाला · द्वादशमासरूप · कृपालु · सबमें बसनेवाला · अनेकरत्न हैं गर्भमें जिसके · ऐसा पृथ्वीरूप · कुबेरस्वरूप भगवानको नमस्कार है ॥ ५०॥

سُبرتہ سُمکھہ سُکشمہ سُگھوشہ سُکھدہ سُہرت
منوہرو جت کرودھو بیر باہُر ودارنہ ۴۹
ترجمہ۔ سندر ہے سنکلپ جسکا۔ اور سُہاونا مُکھ۔ سُوکشم روپ
ویدروپ۔ سب کا دینے والا۔ بھگتوں کا متر۔ من کو
ہرنے والا۔ جیتا ہے کرودھ جسنے۔ آجانُتک ہیں
ہاتھ جسکے۔ ہرنیہ کشیپ کا پیٹ پھاڑنے والا۔ نرسنگھہ
بھگوان کو نمسکار ہے ؀ ۴۹ ؀

سُواپنہ سُوِشو ویاپی نیکاتمانیک
کرم کرت ؀ وتسرو وتسلو وتسی
رتن گربھو دھنیشورہ ؀ ۵۰ ؀

ترجمہ۔ شیش شائی سواد ہین بیاپک۔ انیک
آتماروپ۔ انیک کرم کرنے والا۔ دوادش ماس
روپ۔ کرپالو۔ سب میں بسنے والا۔ انیک رتن
ہیں گربھ میں جس کے۔ ایسا پرتھوی روپ۔
کُبیر سروپ بھگوان کو نمسکار ہے ؀ ۵۰ ؀

धर्मगुब्धर्मकृद्धर्मी सदसत्-
क्षरमक्षरम् । अविज्ञाता सह
स्रांशुर्विधाता कृतलक्षणः ५१
अर्थ - धर्मका रक्षक · धर्म करने वा
ला · धर्मरूप · असत्‌रूप · अविनाशी
नाशरूप · नजाननेवाला · सूर्यरूप ·
ब्रह्मारूप · किये हुए कर्मोंका देखने
वाला जो ईश्वर है उसको नमस्कार है
॥५१॥ ॥६॥ ॥६॥ ॥६॥ ॥६॥

गभस्तिनेमिः सत्वस्थः सिंहो-
भूतमहेश्वरः । आदिदेवो महा
देवो देवेशो देवभृद्गुरुः ॥५२॥
अर्थ - सूर्यरूप · सतोगुणमें स्थित ·
सिंहरूप · जीवोंका ईश्वर · स्वामी · सं
सारसे प्रथम एक आपही आपरूप ·
सबसे बड़ारूप · देवताओंका ईश
देवताओंका पालन करनेवाला त
था शिक्षादेनेवाला जो जगदीश
है उसको प्रणाम है ॥५२॥

دہرم گپ دہرم کرد ہرمی سدستکشر
مکشرم :: اوگیاتا سہسر ام شو ودہاتا
کرت لکشنھ :: ۵۱ ::

ترجمہ۔ دہرم کا رکشک۔ دہرم کرنے والا۔ دہرم روپ
است روپ۔ ابناشی۔ ناش روپ۔ نجاننے
والا۔ سوریہ روپ۔ برہما روپ۔ کئے ہوئے
کرموں کا دیکھنے والا۔ جو ایشور ہے اسکو نمسکار ہے :: ۵۱ ::

گبہست نیمھ ستوستھہ سنگھو
بہوت مہیشورہ :: آدِ دیو وہا
دیو و دیویشی دیو بہرد گورہہ :: ۵۲ ::

ترجمہ۔ سوریہ روپ۔ ستوگن میں استھتھ۔
سنگھہ روپ۔ جیووں کا ایشور۔ سوامی سنسار
سے پرتھم ایک آپ ہی آپ روپ۔ سب سے
بڑا روپ۔ دیوتاوں کا ایش۔ دیوتاوں کا پالن
کرنے والا جو جگدیش ہے اُس کو پرنام ہے :: ۵۲ ::

उत्तरो गोपतिर्गोप्ता ज्ञानगम्यः
पुरातनः। शरीरभूतभृद्भोक्ता
कपिन्द्रो भूरिदक्षिणः॥ ५३॥

अर्थ – ब्रह्मरूप इन्द्रियों का स्वामी रक्षा करनेवाला ज्ञानसे प्राप्त पुराना शरीररूप शरीर का धारण करनेवाला भोगरूप सुग्रीवरूप बहुतसी दक्षिणा देनेवाले परमेश्वरको नमस्कार है॥ ५३॥

सोमपोऽमृतपः सोमः पुरुजित्पुरुषोत्तमः। विनयो जयः सत्यसंधो दाशार्हः सात्वतांपतिः
॥ ५४॥

अर्थ – सोमलता का रस पिलानेवाला अमृत पिलानेवाला मोहनीरूप अमृतरूप पुरु को जीतनेवाला पुरुवंश में श्रेष्ठता दिखानेवाला नम्ररूप जपरूप सत्य में लगा हुआ भक्त पूज्य यदुवों के स्वामी ऐसे जो भगवान उनको प्रणाम है॥ ५४॥

اُتّرو گوپتر گوپتا گیان گمیہ پُراتنہ:
شریر بہوت بہرد بہوگتا کپندرو
بہورِد کشنہ: ۵۳:

ترجمہ۔ برہم روپ۔ اندریوں کا سوامی۔ رکشا کرنے والا۔ گیان سے پراپت۔ پُرانا شریر روپ شریر کو دہارن کرنے والا۔ بہوگ روپ۔ سُگریو روپ بہت سی دکشنا دینے والے پرمیشور کو نمسکار ہے ۵۳

سوم پو مرتپہ سومہ پُرجت پُرشوتمہ
:وِنیو جیہہ ستیہ سندہو داشارہہ
ساتُتام پتہہ: ۵۴:

ترجمہ۔ سوم لتا کا رس پلانیوالا۔ امرت پلانے والا موہنی روپ۔ امرت روپ۔ پُر کو جیتنے والا۔ پُربنش میں سریشٹتا دکھانیوالا۔ نمر روپ جپ روپ۔ ستیہ میں لگا ہوا بھگت پوجیہ یدوؤں کے سوامی کو پرنام ہے : ۵۴ :

जीवोविनयितासाक्षी मुकुन्दो
ऽमितविक्रमः । अंभोनिधिर
नंतात्मामहोदधिशयोंतकः ।
अर्थ – प्राणोंकी रक्षाकरनेवाला ।
विनयकरनेवाला · साक्षीरूप · सुख
भोक्ता · अप्रमाण पराक्रमवाला · समु
द्ररूप · अंतर हित आत्मा · क्षीरसागर
मेंशयनकरनेवाला · यमराजरूप ·
भगवानकोप्रणाम है ॥ ५५ ॥

अजोमहार्हः स्वाभाव्योजिता
मित्रःप्रमोदनः । आनन्दोनन्द
नोनन्दः सत्यधर्मात्रिविक्रमः
॥ ५६ ॥
अर्थ – अजन्मा · बहुमूल्य · स्वयंप्र
काश · शत्रुओंको जीतनेवाला · म
हान् आनन्दरूप · सदाआनन्दसु
खरूप · पुत्ररूप · सत्यधर्मवाला ·
वामनरूप · भगवानको नमस्कार
है ॥ ५६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

جیووِن تیا ساکشی مُکند و مِت وِکرمہ ؞
ابہو ندِہی رَنتا تما مہو دِدہ شیونتکہ ؞ ۵۵
ترجمہ - پرانوں کی رکشا کرنیوالا - دِنئے کرنے والا -
ساکشی روپ - سُکھ بھوگتا - اپرمان پراکرم والا -
سمُدر روپ - انت رہت آتما - چھیر ساگر میں شین
کرنے والا - یمراج روپ بھگوان کو پرنام ہے ۵۵

اَجو مہارہہ سوابہاوِیو جِتا مِترہ
پرمودنہ ؞ آنندو نندنو نندہ ستیہ
دہرم ترِبکرِمہ ؞ ۵۶ ؞
ترجمہ - اَجنما - بہومُولیہ - سویم پرکاش شترون
کو جیتنے والا - مہان آنند - پُتر روپ - سدا
انند سُکھ روپ - پتر روپ - ستیہ دھرم والا
بامن روپ - بھگوان کو نمسکار ہے ؞ ۵۶ ؞

महर्षिकपिलाचार्यः कृतज्ञो मेदनीपतिः । त्रिपदस्त्रिदशाध्यक्षो महाशृंगः कृतांतकृत् ।

अर्थ — महर्षि वसिष्ठ विश्वामित्रादि रूप · कपिल मुनिके अवतार · करे हुए को माननेवाला · पृथिवीका स्वामी · कर्म उपासना ज्ञानरूप · देवताओंका स्वामी · सुमेरु रूप · जमराज का भी नाश करनेवाला जो ईश है उसको नमस्कार है ॥ ५७ ॥

महावराहो गोविन्दः सुषेणः कनकांगदी । गुह्यो गंभीरो गहनो गुप्तश्चक्रगदाधरः ॥ ५८ ॥

अर्थ — वाराह अवतार · इन्द्रियोंको जाननेवाला · सुषेण वैद्यरूप · सोनेके बाजू पहरनेवाला · गुप्तरूप · अगाधरूप · जिसका भेद किसीको न पाया · रक्षा करनेवाला · चक्र और गदाको धारण करनेवाले भगवानको नमस्कार है ५८

مہرشی کپلاچاریہ کرتگیو میدنی پتہ ؛
ترپدستری دشادھکشو مہاشرنگھ
کرتانت کرت ؛ ۵۷ ؛

ترجمہ ۔ مہرشی وسشٹ بسوامتر روپ کپل منی کے اوتار ۔ کرے ہوئے کو ماننے والا ۔ پرتھوی کا سوامی ۔ کرم اوپاسنا گیاں روپ ۔ دیوتاؤں کا سوامی سمیرو روپ جمراج کا بھی ناش کرنے والا ۔ جو ایشور ہے اُس کو نمسکار ہے ؛ ۵۷ ؛

مہابراہو گوبندہ سکھینہ کنکام گدی ؛
گہیو گمبھیر و گہنو گپتش چکر گدا
دہرہ ؛ ۵۸ ؛

ترجمہ ۔ باراہ اوتار ۔ اندریوں کا جاننے والا سکھین بید روپ ۔ سونے کے بازو پہرنے والا گپت روپ ۔ اگادہ روپ ۔ جس کا بھید کسی کو نہ پایا رکشا کرنے والا ۔ چکر اور گدا کو دھارن کرنے والے بھگوان کو نمسکار ہے ؛ ۵۸ ؛

वेधास्वांगोऽजितःकृष्णोदृढः
संकर्षणोऽच्युतः। वरुणोवा
रुणोवृक्षःपुष्कराक्षोमहाम-
नाः॥ ५९॥

अर्थ – ब्रह्मारूप·ब्रह्मरूपजानने-
वाला·जीतनेमेंनआवे·कृष्णभगवान
·दृढ़रूप·श्रीवलदेवजीकाअवतार·
अच्युतरूप·वरुणदेवतारूप·जल-
रूप·वृक्षरूप·कमलनयन·बड़ेमन
वाले ईशको प्रणाम है॥५९॥

भगवानभगहानन्दीवनमाली
हलायुधः। आदित्योज्योतिरा
दित्यःसहिष्णुर्गतिसत्तमः ६०
अर्थ – ऐश्वर्यषटवाला·कहेंऐ
श्वर्योंकानमाननेवाला·समृद्धिरू
प·पुष्पमालाधारी·हलधररूप·सूर्य
रूप·प्रकाशरूपीसूर्य·सहनेवाला·
श्रेष्ठगतिवाले·ऐसेभगवानकोन
मस्कारकरतेभये॥६०॥

وِیدٰہا سوانگو جِتھہ کِرِشنو دِرڈھہ سنکر
شنو چُتھہ ؛؛ وَرُنو وارِنو بِرِکشھہ
پُشکراکشو مہامناہ ؛؛ ۵۹ ؛؛

ترجمہ۔ برہما روپ۔ برہمہ روپ جاننے والا۔
جیتنے میں نہ آوے۔ کرشن بھگوان۔ درڈھہ روپ۔
بلدیوجی کا اوتار۔ اچُت روپ۔ ورُن دیوتا
روپ۔ جل روپ۔ برِکش روپ۔ کمل نین
بڑے من والے ایشور کو نمسکار ہے ؛؛ ۵۹ ؛؛

بھگوان بھگہا نندی بن مالی
ہلایُدہ ؛؛ آدِتیو جوتِرادِتیہ
سہشنُر گتِ ستمھہ ؛؛ ۶۰ ؛؛

ترجمہ۔ ایشریہ کھٹ والا چھوؤں ایشوریوں کا
نہ ماننے والا۔ سمِردھ روپ۔ پُشپ مالا دھاری۔
بلدھر روپ۔ سُوریہ روپ۔ پرکاش روپی سوریہ
سہنے والا۔ سریشٹھہ گتی والے بھگوان کو
نمسکار ہے ؛؛ ۶۰ ؛؛

सुधन्वाखण्डपरशुर्दारुणोद्र-
विणप्रदः। दिवस्पृक्सर्वदृग्व्या
सोवाचस्पतिरयोनिजः॥६१॥

अर्थ – सुन्दर है धनुष जिसका· नष्ट
किया है तेज परशुरामजीका जिसने
·कठिनरूप· धनका देनेवाला· स्वर्ग
को स्पर्श करनेवाला· सबका देखने
वाला· व्यासजीका अवतार· वृहस्प-
तिरूप· योनीसे उत्पन्न नहीं होनेवा
ले परमेश्वरको प्रणाम है॥६१॥

त्रिसामासामगः साम निर्वाणं
भेषजं भिषक्। सन्यासकृच्छ
मः शांतो निष्टाशान्तिपरायणः॥

अर्थ – तीसरा सामवेदरूप· सामवेद
का गानेवाला· सामवेदरूप· निर्वाणमो
क्षरूप· औषधीरूप· वैद्यरूप· धन्वंत
रीके अवतार· सन्यासरूप धारण कर
नेवाला· मनको रोकनेवाला· शांतिरू
प· शांतिमें लगा हुआ· सबसे परे है स्था
न जिसका ऐसे भगवान को प्रणाम है
॥६२॥

سُدہنوا کھنڈ پرشُر دارُنو درِونہ پردہ ؞
دوسپرکِ سرب درگویا سوواچسپتی
ریوبجھہ ؞ ٦١ ؞

ترجمہ۔ سُندر ہے دہنش جسکا نشٹ کیا ہے تیج
پرشُرام جی کا جسنے۔ کٹھن روپ۔ دہن کا دینے والا۔
سُرگ کو اسپرش کرنیوالا۔ سب کا دیکھنے والا۔
بیاس جی کا اوتار۔ برہسپتی روپ۔ یونی سے نہیں
اوتپن ہونے والے ایشور کو پرنام ہے ؞ ٦١ ؞

ترِساماساگھہ ساما نربانم بہیکھہ جم
بہکہک ؞ سنیاساکرِچھمہ شانتو
نشٹا شانتھ پرایبنہ ؞ ٦٢ ؞

ترجمہ۔ تیسرا سام وید روپ۔ سام وید کا گانیوالا سام وید
روپ۔ نربان موکش روپ۔ اوشدہی روپ۔
بید روپ۔ دہنونتری کے اوتار۔ سنیاس روپ
دہارن کرنیوالا۔ من کو روکنے والا۔ شانتی روپ شانتی
میں لگا ہوا۔ سب سے پرے ہے استہان جسکا۔
ایسے بھگوان کو پرنام ہے ؞ ٦٢ ؞

शुभांगःशान्तिदःस्रष्टाकुमुदः
कुवलेशयः।गोहितोगोपति
र्गोप्तावृषभाक्षोवृषप्रियः ६३

अर्थ-सुंदर है अंग जिसका·शांतिका देनेवाला·ब्रह्मारूप·चन्द्रमारूप·बद्रिकाश्रम में शयन करनेवाला·गउओंका हितकारी·इन्द्रियोंका स्वामी·रक्षाकरनेवाला·दिव्यचक्षु·धर्मके-प्यारे·भगवानको नमस्कार है ॥६३॥

अनिवर्तीनिवृत्तात्मासंक्षेप्ता
क्षेमकृच्छिवः।श्रीवत्सवक्षाः
श्रीवासःश्रीपतिःश्रीमतांवरः
॥६४॥

अर्थ-दुष्टोंको मारनेसे नहटनेवा-ला·सबसे न्यारा फेंकनेवाला·कुशल करनेवाला·शिवस्वरूप·भृगुलताका चिन्ह है छातीमें जिसके·लक्ष्मीजी है हृदयमें जिसके·लक्ष्मीका स्वामी·लक्ष्मीवानोंमें श्रेष्ठ परमेश्वरको प्रणाम ॥६४॥

شُبھانگھہ شانت دہ سِرشٹہا کُمُدہ
کُبلیشیہ ؛ گوہتو گوپتر گوپتا برکھ
بہاکشو برکھپ پریہ ؛ ۶۳ ؛

ترجمہ۔ سُندر ہے انگ جسکا۔ شانتی کا دینے والا۔ برہما روپ چندرما روپ۔ بدرکاشرم میں شین کرنیوالا۔ گؤوں کا ہت کاری۔ اندریوں کا سوامی۔ رکشا کرنے والا۔ دِبیہ چکشو۔ دھرم کے پیارے بھگوان کو نمسکار ہے ؛ ۶۳ ؛

انبرتی نبرتاتما سنکشیپتا کشیم کرچھو ؛
شری وتش وکشاہ شری واسھ
شری پتھ شری متام برہ ؛ ۶۴ ؛

ترجمہ۔ دُشٹوں کو مارنے سے نہ ہٹنے والا۔ سب سے نیارا پھینکنے والا۔ کُشل کرنیوالا۔ شیو سروپ۔ بھرگُ لتا کا چِھنہ ہے چھاتی میں جسکے۔ لکشمی جی ہے ہردے میں جسکے۔ لکشمی کا سوامی۔ لکشمی وانوں میں سریشٹھ پرمیشور کو پرنام ہے ؛ ۶۴ ؛

श्रीदः श्रीशः श्रीनिवासः श्रीनि-
धिश्रीविभावनः। श्रीधरः श्रीक
रः श्रेयः श्रीमांल्लोकत्रयाश्रयः ६५
अर्थ–लक्ष्मीका देनेवाला· लक्ष्मीका
ईश· लक्ष्मीका स्थानरूप· लक्ष्मी का
निधि· लक्ष्मीका प्यारा· लक्ष्मी को धा
रण करनेवाला· शोभाका धारण करने
वाला· शोभाका करनेवाला· कल्याण
रूप· शोभा है विद्यमान जिसके· तीनों
लोकोंका सहारूप परमेश्वर को प्रणाम
है ॥ ६५ ॥ स्वक्षः स्वंगः शतानन्दो
नन्दिर्ज्योतिर्गणेश्वरः। विजि-
तात्माविधेयात्मासत्कीर्त्ति-
श्छिन्नसंशयः ॥ ६६ ॥
अर्थ–सुंदर हैं इन्द्रियां जिसकी· सुंदर
है अंग जिसका· तीनोंकाल में रहनेवा-
ला· सुखरूप· समृद्धिरूप· प्रकाशका
स्वामी· सूर्यरूप· जीती है आत्मा जिसने
विधिके योग्य है आत्मा जिसकी· श्रेष्ठ है
कीर्त्ति जिसकी· संदेहरहित भगवान
को प्रणाम है ॥ ६६ ॥

شری دہ شری شہ شری نوسہ
شری ندہِ شری بہاونہ ؛ شری
دہرہ شری کرہ شریہ شری مالم
لوک تریہ شریہ ؛ ٦٥ ؛
ترجمہ۔ لکشمی کا دینے والا۔ لکشمی کا ایش۔ لکشمی کا استھان
روپ۔ لکشمی کا ندہی۔ لکشمی کا پیارا۔ لکشمی کو دہارن
کرنے والا۔ شوبھا کا دہارن کرنیوالا۔ شوبہا کا کرنیوالا۔
کلیاں روپ۔ شوبہا ہے ودیاماں جسکے تینوں
لوکوں کا سہارا روپ پرمیشور کو پرنام ہے ؛ ٦٥ ؛
سُکشہ سُنگہ شتانندو نندر جیوتر گنیشور؛
وِدہیاتما سَتکیرتش چہن سنشیہ ؛ ٦٦ ؛
ترجمہ۔ سُندر ہیں اندریاں جسکی۔ سندر ہے انگ جسکا
تینوں کال میں رہنے والا۔ سُسوروپ سمردہی
روپ۔ پرکاش کا سوامی۔ سوریہ روپ جیتی
ہے آتما جسنے۔ بدہی کے یوگیہ ہے آتما جسکی شریشٹھ ہے
کیرتی جسکی۔ سندیہ رہت بھگوان کو پرنام ؛ ٦٦ ؛

उदीर्णः सर्वतश्चक्षुरनीशः शा-
श्वतस्थिरः। भूशयो भूषणो भूति
र्विशोकः शोकनाशनः॥६७॥

अर्थ–उदीर्णरूप·चारों ओर हैं नेत्र जि
सके·ईश ही नहीं हैं कोई जिसका·निरं
तर ठहरनेवाला·पृथिवी में सोनेवाला·
गहनारूप·संपतिरूप·शोकरहित·शो
कको नाशकरनेवाले परमेश्वरको प्र-
णाम है॥६७॥

अर्चिष्मानर्चितः कुंभो विशुद्धा
त्मा विशोधनः। अनिरुद्धोऽप्रति
रथः प्रद्युम्नोऽमितविक्रमः॥६८

अर्थ–अग्निशिखारूप·पूजित घट
रूप·मलरहित·शुद्धकरनेवाला·अ
निरुद्धका अवतार·जिसकी तुल्य को
ई नहीं·कामदेवका अवतार·अप्रमा
ण है पराक्रम जिसका·ऐसे परमात्मा
को नमस्कार है॥६८॥　॥६८॥

॥छ॥　॥छ॥　॥छ॥　॥छ॥　॥छ॥

اُدِیرنہ سرب تشچکھشُرنیشہ شاشو
تستھرہ ؛؛ بھوشیو بھوشنو بھوترو
شوکھہ شوک ناشنہ ؛؛ ٦٧ ؛؛

ترجمہ۔اُدیرن روپ۔چاروں اور ہیں نیتر جسکے۔
ایش ہی نہیں ہے کوئی جسکا۔نرنتر ٹھرنے والا۔
پرتھوی میں سونے والا۔گہنا روپ۔سنپتی روپ۔
شوک رہت۔شوک کو ناش کرنیوالے پرمیشور کو پرنام ٦٧

آرچشمانرچتہ کُنبھو وِشُدّھاتما وشودہنہ ؛؛
انرُودّھو پرتِ رتھہ پردیُمنو متِ
وِکرمھہ ؛؛ ٦٨ ؛؛

ترجمہ۔اگنی شکھا روپ۔پوجت گھٹ روپ۔
مل رہت۔شُدّھ کرنے والا۔انرُدّھ کا اوتار۔
جس کی تولیہ کوئی نہیں۔کام دیو اوتار۔
اپرمان ہے پراکرم جس کا۔ایسے پرماتما کو
نمسکار ہے ؛؛ ٦٨ ؛؛

कालनेमिनिहावीरः शौरिः शूर
जनेश्वरः । त्रिलोकात्मात्रिलो
केशः केशवः केशिहाहरिः ६९
अर्थ – कालनेमि राक्षस को मारनेवा
ले · शूरवीर · वसुदेवरूप · शूरवीरराजारूप · तीनों लोकों का आत्मा · तीनों लोकों का स्वामी · जलशायी · केशी नाम दानव का मारनेवाला · हरी भगवान पापों के हरनेवाले को प्रणाम है ६९

कामदेवः कामपालः कामीका-
न्तः कृतागमः । अनिर्देश्यवपु
विष्णुर्वीरोऽनन्तो धनंजयः ७०
अर्थ – कामदेवरूप · काम के पालनेवाले · अल्पबुद्धियों की दृष्टि में कामीरूप · मनोहर किये हैं वेदादि शास्त्र जिसने · किसी की आज्ञा में नहीं ऐसा शरीर व्यापक · वीर भक्तरूप · अंतरहित · अग्नि वा अर्जुन रूप · ऐसे भगवान को नमस्कार है ॥ ७० ॥

کال نیمی مہابیرہ شورہ شورجنیشورہ
ترلوکاتماترلوکیشھ کیشوہ کیشہاہرہ ::٦٩
ترجمہ۔کال نیمی راکشس کومارنیوالا شوربیر۔بسدیوروپ۔
شوربیر راجاروپ۔تینوں لوکوں کا آتما۔تینوں لوکونکا
سوامی۔جل شائی۔کیشی نام دانو کا مارنے والا۔
ہری بھگوان پاپوں کے ہرنیوالے کو پرنام ہے ٦٩

کام دیوہ کام پالھہ کامی کانتھ کرتا
گمھہ ::انردیشیہ وپروشنوربیرو
ننتو دھننجیھہ :: ٧٠ ::
ترجمہ۔کام دیوروپ۔کام کو پالنے والا الپ
بدھیوں کی درشٹی میں کامی روپ۔منوہر
کیے ہیں وید ادِ۔شاستر جسنے۔کسی کی
آگیاں میں نہیں ایسا شریر بیاپک۔بیر
بھکت روپ۔انت رہت۔اگنی وا ارجن
روپ۔بھگوان کو نمسکار ہے :: ٧٠ ::

ब्रह्मण्यो ब्रह्मकृद्ब्रह्मा ब्रह्म ब्र-
ह्मविवर्द्धनः। ब्रह्मविद्ब्राह्मणो
ब्रह्मी ब्रह्मज्ञो ब्राह्मणप्रियः ७१

अर्थ – दयालुरूप · जीवात्माको परमात्मारूप करनेवाला · उत्पत्तीकरनेवाला · जिससे प्रजा उत्पन्न हो · या वेदधर्मका बढ़ानेवाला · वेदको जाननेवाला · ब्राह्मणरूप · स्वयंब्रह्मरूप · अपने स्वरूपको जाननेवाला · ब्राह्मणोंके प्यारे · ऐसे भगवानको प्रणाम है ७१

महाक्रमो महाकर्म्मा महातेजा
महोरगः। महाक्रतुर्महाय-
ज्वा महायज्ञो महाहविः॥ ७२

अर्थ – बड़ी रतिवाला · बड़ा कर्मरूप बड़ा तेजस्वी · शेषनागरूप · बड़ा - यज्ञरूप · बड़ा यज्ञकरानेवाला · अश्वमेधयज्ञरूप · बड़ी हवि घृतादि यज्ञकी सामग्रीरूप · ऐसे ईश्वरको प्रणाम है ॥ ७२॥

برہمنیو برہمہ کرد برہما برہمہ برہمہ بردھنہ
برہمہ ود براہمنو برہمی برہمگیو
براہمنپریہ ۔ ۷۱

ترجمہ ۔ دیالو روپ ۔ جیو اتما کو پرماتما روپ کرنے والا اوتپتی کرنے والا ۔ جس سے پرجا اوتپن ہو ۔ یا وید دہرم کا بڑھانے والا ۔ وید کو جاننے والا ۔ براہمن روپ ۔ سویم برہمہ روپ ۔ اپنے سروپ کو جاننے والا ۔ براہمنوں کے پیارے بھگوان کو پرنام ہے ۔ ۷۱

مہاکرمو مہاکرما مہاتیجو مہورگھہ
مہاکرتر مہایجوا مہایگیو مہاہوہ ۔ ۷۲

ترجمہ ۔ بڑی رتی والا ۔ بڑا کرم روپ ۔ بڑا تیجسوی ۔ شیش ناگ روپ ۔ بڑا یگیہ روپ ۔ بڑا یگیہ کرانے والا ۔ اشومیدھ یگیہ روپ ۔ بڑی ہوی ادی یگیہ کی سامگری روپ ۔ ایشور کو پرنام ہے ۔ ۷۲

स्तव्यः स्तवप्रियः स्तोत्रंस्तुतिः
स्तोतारणप्रियः। पूर्णः पूरयि
तापुण्यः पुण्यकीर्त्तिरनामयः
॥७३॥

अर्थ – स्तुतिकरनेकेयोग्य· स्तवन
हैप्यारा जिसको· स्तोत्ररूप· स्तुतिरू
प· स्तोत्रहै रूपजिसका· संग्रामहैप्या
राजिसको· पूर्णरूप· पूराकरनेवाला
धर्मरूप· पवित्रकीर्त्ति· रोगरहित· से
से परमेश्वरकोप्रणाम है ॥७३॥

मनोजवस्तीर्थकरोवसुरेता
वसुप्रदः। वसुप्रदोवासुदेवो
वसुर्वसुमनाहविः ॥७४॥

अर्थ – मनकावेगरूप· तीर्थोंकाक
रनेवाला· धनरूपीवीर्य्यवाला· धन
[illegible] देवतारूपीपुत्रदे
नेवाला· वसुदेवका [illegible] वसुधन
रूप· धनमेंमनरखनेवाला· [illegible]
प भगवानको प्रणाम है ॥७४॥

اِستوَیہ اِستوپِریہ اِستوترم اِستُتھِہ
استاتارنپِریہ ٭ پُورنہ پُورِیتا پُنّیہ
پُنّیہ کیرتی رنامیہ ٭ ۷۳ ٭

ترجمہ۔ اِستُتی کرنے کے یوگ۔ اِستون ہے پیارا
جسکو۔ اِستوتر روپ۔ اِستُتی روپ۔ اِستوتر
ہے روپ جس کا۔ سنگرام ہے پیارا جسکو۔
پُورن روپ پُورا کرنے والا۔ دہرم روپ۔ پوِتر کیرتی۔
روگ رہت پرمیشور کو پرنام ہے ٭ ۷۳ ٭

منوجوس تیرتھکرو وسُریتا وسُو
پریہ ٭ وسُوپردو واسُدیوو
وسُروسُومنا ہوِہ ٭ ۷۴ ٭

ترجمہ۔ من کا بیگ روپ۔ تیرتھوں کا کرنیوالا۔
دہن روپی بیریہ دان۔ دہن کا دینے والا۔
وسُدیوتا روپی پُتر دینے والا۔ وسُدیو کا پُتر۔
دسو دہن روپ۔ دہن میں من رکھنے والا۔
ہوی روپ بھگوان کو پرنام ہے ٭ ۷۴ ٭

सद्गतिः सत्कृतिः सत्तासद्भूतिः
सत्परायणः। शूरसेनोयदु-
श्रेष्ठः सन्निवासः सुयामनः॥७५॥

अर्थ - श्रेष्ठगतिवाला · सत्यकरने
वाला · सत्तारूप · सच्ची विभूतिवाला
सत्यमेंलगाहुआ · शूरसेनरूप · य
दुवंशमेंश्रेष्ठ · जहांसत्यहोवहांर
हनेवाला · सुंदरयमुनाजलरूप · ऐ
से भगवानको नमस्कार है ॥७५॥

سدگتھ ست کرتہ ستّا سد بہوتہ
ست پرایۃ: شور سینو یدو سرشٹھ
سن نواسحہ سُیامنحہ ::۷۵::

ترجمہ۔ سرشٹھ گتی والا ستیہ کرنے والا ستّا روپ۔
سچّی بہوتی والا ستیہ میں لگا ہوا شُورسین روپ۔
یدُو ونش میں سرشٹھ۔ جہاں ستّیہ ہو وہاں
رہنے والا سُندر یمنا جل روپ بھگوان کو پرنام ہے::۷۵::

भूतावासोवासुदेवः सर्वासु
निलयोऽनलः। दर्पहादर्पदो
दृप्तोदुर्धरोत्यापराजितः ७६

अर्थ - जीवोंमेंरहनेवाला · वासुदे
वरूप · सबजीवोंकास्थान · अग्नि
रूप · अभिमानकानाशक · अभिमान
कादेनेवाला · गर्वरूप · बड़ीकठि
नतासेप्राप्तहोनेवाला · औरोंसेनहीं
जीताजाय ऐसे भगवान को प्रणाम
है ॥७६॥ ॥६..॥ ॥६॥ ॥६॥

بہوتا واسو واسدیوہ سرباسُن
لیو نلحہ:: درپہا درپ دو درپتو در
دہرو تہا پراجتحہ :: ۷۶ ::

ترجمہ ... میں رہنے والا۔ واسدیو روپ۔
... اگنی روپ۔ ابھمان کا ناشک
ابھمان کا دینے والا۔ گرب روپ ... کٹھنتا سے
پراپت ہونیوالا۔ وروں سے نہیں جیتا جا
ایسے بھگوان کو پرنام ہے :: ۷۶ ::

विश्वमूर्तिर्महामूर्तिर्दीप्तमू-
र्तिरमूर्तिमान् ।अनेकमूर्ति
रव्यक्तः शतमूर्तिशताननः

॥७७॥

अर्थ – संसारमूर्त्ति · विराटमूर्त्ति · प्र
काशमूर्त्ति · अमूर्तिरूप · अनेक मूर्ति
अप्रगट · असंख्यमूर्ति · असंख्यमुख
वाले · परमेश्वर को प्रणाम है ॥ ७७॥

एकोनैकः सवः कः किंयत्त
त्पदमनुत्तमं ।लोकबन्धुर्लो
कनाथोमाधवोभक्तवत्सलः

॥७८॥

अर्थ – एकब्रह्मरूप · अनेक अव
ताररूप · बहुरूप · ब्रह्मारूप · क्यास्व
प · जिसकारूप · उसकारूप · चर-
णरूप · सबसे उत्तम संसारका बंधु
संसारकास्वामी · मायाकाभ्रमानेवा
ला · भक्तोंपर दया करनेवाला · ऐसे
परमेश्वर को प्रणाम है ॥७८॥

بشو مورتر مہا مورتر دیپت مورتی
ر مورتِ مان :: انیک مورتِ
ربکتھہ شت مورتی شتاننھہ :: ٧٧

ترجمہ - سنسار مورتی - براٹ مورتی - پرکاش مورتی
امورتی روپ - انیک مورتی - اپرگٹ -
اسنکھیہ مورتی - اسنکھیہ مکھہ والے کو پرمیشور
کو پرنام ہے :: ٧٧

ایکو نیکھہ سوہ کہکم یتّت پد منتمم ::
لوک بندہر لوک ناتھو مادھوو
بہکت وتسلھہ :: ٧٨

ترجمہ - ایک برھمہ روپ - انیک اوتار روپ
بہو روپ - برہما روپ - کیا روپ - جسکا روپ
اسکا روپ - چرن روپ - سب سے اُتّم -
سنسار کا بندھو - سنسار کا سوامی - مایا کا
بھرمانے والا - بھگتوں پر دیا کرنے والے -
بھگوان کو پرنام ہے :: ٧٨

सुवर्णवर्णो हेमांगो वरांगश्चंद
नांगदी। वीरहा विषमः शून्यो
घृताशीर चलश्चलः॥७९॥
अर्थ – पीत है रंग जिनका सोने का
सा· सोने कासा अंग जिसका· श्रेष्ट है
अंग जिसका· हरी चंदन और बाजू धा
रण किये हुए· शूर वीर को मारने वाले·
विषम रूप· आकाश की नाईं व्यापक·
धारण किया है जगत का अभिप्राय जि
सने· अचल रूप· और अचल रूपण रू
प· ऐसे ईश्वर को प्रणाम है॥७९॥
अमानी मानदो मान्यो लोक स्वा
मी त्रिलोक धृक्। सुमेधा मेध
जो धन्यः सत्यमेधा धराधरः॥८०॥
अर्थ – मान रहित· मान का देने वाला·
पुज्य रूप· लोकों का स्वामी· तीनों लो-
कों को धारण करने वाला· सुंदर बुद्धी-
वाला· बुद्धि से जीत· धन्य रूप· सत्य बु
द्धि वाला· शेष रूप· पृथिवी को धारण
करने वाले परमात्मा को नमस्कार है॥८०

سُبرن برنو ہیمانگو برانگش چند نام
گدی ۞ بیرہا بکھمہ سونّیو دِہرتا شیر
چلشچلھہ ۞ ۷۹ ۞
ترجمہ۔ پیت ہے رنگ جسکا سونے کا سا سونے کا سا
انگ جسکا۔ شریشٹھ ہے انگ جسکا۔ ہری چندن اور
بازو دھارن کئے ہوئے۔ شُور بیر کو مارنے والا بکھم
روپ۔ آکاش کی نائیں بیاپک۔ دھارن کیا ہے
جگت کا ابھپرائے جسنے۔ اچل روپ۔ اور اچل
روپن روپ ایشور کو پرنام ہے ۞ ۷۹ ۞
اَمانی مانَدو مانّیو لوک سوامی ترلوک
دِہرک ۞ سُمیدَ ہا میدہ جو دھنّیہ
ستّیہ میدَہا دہرہ دہرہ ۞ ۸۰ ۞
ترجمہ۔ مان رہت۔ مان کا دینے والا۔ پوجیہ روپ۔
لوگوں کا سوامی۔ تینوں لوگوں کا دھارن کرنیوالا۔ سُندر
بُدّہی والا۔ بُدّہی لجیت۔ دھنیہ روپ۔ ست بُدّہی
والا شیش روپ۔ پرتھوی کو دھارن کرنیوالے کو ایشور
کو پرنام ہے ۞ ۸۰ ۞

तेजोवृषोद्युतिधरः सर्वशस्त्र
भृतांवरः। प्रग्रहो निग्रहोव्य
ग्रोनैकश्रृंगोगदाग्रजः॥८१॥

अर्थ – तेजस्वी · धर्मरूप · प्रकाशका
धारण करने वाला · सब शस्त्र धारियों
में श्रेष्ठ · मनरूप · रोकने वाला · व्यग्र
रूप · अनेक प्रकारसे वड़ा · गदा धारि
यों में प्रथमरूप · परमेश्वरको प्रणाम ८१

चतुर्मूर्तिश्चतुर्वाहुश्चतुर्व्यू-
हश्चतुर्गतिः। चतुरात्माचतु
र्भावश्चतुर्वेदविदेकपात् ८२

अर्थ – चारों भाई राम लक्ष्मण भरत
शत्रुघ्नरूप · चार हाथ वाला · असवार
पैदल हाथी रथ आदि चार प्रकारकी से
ना का व्यूह रचनेवाला · अर्थ धर्म काम
मोक्ष इन चारोंका देने वाला · मन बुद्धि
चित्त अहंकारका आत्मा चार जाग्रत स्व
प्न सुषुप्ति तुरियारूप चारों वेदों का जा
ननेवाला · एक पादे ब्रह्मरूप भगवान्
को नमस्कार है ॥८२॥

تیجو برِکھودُت دہرہ سرب شستر
بھرتامبرہ :: پرگرِہو نگرِہو بگرو
نیگ شرنگا گدا گرجھہ :: ۸۱ ::

ترجمہ۔ تیجوی۔ دہرم روپ۔ پرکاش کا دہارن کرنیوالا
سب شستر دہاریوں میں سرشٹھہ۔ من روپ۔
روکنے والا۔ بگرِ روپ۔ انیک پرکار سے بڑا۔
گدا دہاریوں میں پرتھم روپ۔ پرمیشور کو
پرنام ہے :: ۸۱ ::

چتر مورتش چتر باہوشچتر بیوہاشچتر
گتھہ :: چترا تما چتر بہاوشچتر وید
ودیک پات :: ۸۲ ::

ترجمہ۔ چاروں بھائی رام لچھمن۔ بھرت شترگھن کا روپ
چار ہاتھ والا۔ اسوار۔ پیدل۔ ہاتھی۔ رتھہ۔ آدِ چار پرکار
کی سینیا کا بیوہ رچنے والا یعنی قلعہ۔ ارتھہ۔ دہرم۔ کام۔ موکش۔
اِن چاروں کا دینے والا۔ من۔ بدہی۔ چت۔ اہنکار۔ کا آتما
جاگرت۔ سپن۔ سکھپتی۔ تریا۔ اِن چاروں کا روپ۔ چاروں
ویدوں کا جاننے والا۔ ایک پاد برہم روپ بھگوان
کو پرنام :: ۸۲ :: ۸۲ ::

समावर्त्तो निवृत्तात्मा दुर्जयो दु-
रतिक्रमः। दुर्लभो दुर्गमो दुर्गो
दुरावासो दुरारिहः ॥८३॥

अर्थ – समावर्त्तनरूप. सब इन्द्रियों
से परे. कठिनता से जीता जाय. दुष्टों का
उलंघन करनेवाला. कठिनता से प्राप्त
होनेवाला. कठिनरूप. गढ़रूप. कठिन
तासे हृदय में आनेवाला. दुष्ट शत्रुओं
के नाश करने वाले भगवान को प्रणाम
दंडवत है ॥८३॥ ॥८४॥ ॥८४॥ ॥८४॥

शुभांगो लोकसारंगः सुतंतुस्त-
न्तुवर्द्धनः। इन्द्रकर्मा महाकर्मा
कृतकर्मा कृतागमः ॥८४॥

अर्थ – सुंदर है अंग जिसका. संसार
प्रिय. श्रेष्ठ तंतु वाला. कुल वृद्धि करने
वाला. इन्द्र का कामरूप. बड़ा कामरू
प. किया है कर्म उत्पन्न जिसने. किये
हैं आगम शास्त्र जिसने. ऐसे भगवान्
को नमस्कार करते भये ॥८४॥

سما ؤرتو نبرتا تما دُرجیو دُرتی کرمھہ ؞

دُرلبھو دُرگمو دُرگو دُراباسو دُرارہا ؞ ۸۳ ؞

ترجمہ۔ سما برتن روپ۔ سب اِندریوں سے پرے۔
کٹھنتا سے جیتا جائے۔ دُشٹوں کا اُولنگھن کرنیوالا۔
کٹھنتا سے پراپت ہونیوالا کٹھن روپ۔ گڑھ روپ۔
کٹھنتا سے ہردے میں آنیوالا۔ دُشٹ شتروں کے
ناش کرنیوالے بھگوان کو پرنام ؞ ۸۳ ؞

شُبھانگو لوک سارنگھہ سُتنتُم
تُنتم تبردہنہ ؞ اِندر کرما مہا
کرما کرت کرما کرتا گمھ ؞ ۸۴ ؞

ترجمہ۔ سُندر ہے انگ جسکا۔ سنسار پریہ۔ سریشٹھ
تنتُ والا۔ کُل برِدّھی کرنے والا۔ اِندر کا کام روپ
بڑا کام روپ۔ کیا ہے کام اُتپّن جس نے
کئے ہیں آگم۔ شاستر جسنے ایسے بھگوان کو
نمسکار ہے ؞ ۸۴ ؞ ۸۴ ؞

उद्भवः सुन्दरः सुन्दोरत्ननाभः सुलोचनः । अर्कोवाजसनः शृंगी जयन्तः सर्वविज्जयी ॥ ८५ ॥

अर्थ - उत्पत्तीरूप · मनोहर सुंदररूप · रत्न है नाभिमें जिसके · सुंदर नेत्रवाले · सूर्य्यरूप · चन्द्ररूप · सबमेंऊंचा इन्द्रकापुत्ररूप · सर्वोका जाननेवाला · सबको जीतनेवाले · जोहै उसको प्रणाम है ॥ ८५ ॥

سُندرہ سُندوُرتن نابھہ سُلوچنہ :: ارکوباج سنھ شرنگی جینتھہ سرب وِجّیی :: ۸۵ ::

ترجمہ - اوتپتّی روپ - منوہر سُندر روپ - رتن ہے نابھہ میں جسکے - سُندر نیتروں والا - سُوریہ روپ - چندر روپ - سب میں اُونچا - اِندر کا پُتر روپ - سبھوں کا جاننے والا - سب کو جیتنے والا - جو ہے اُس کو نمسکار ہے :: ۸۵ ::

सुवर्णविन्दुरक्षोभ्यः सर्ववागीश्वरेश्वरः । महाह्रदो महागर्त्तो महाभूतो महानिधिः ८६

अर्थ - सुवर्ण है बीज जिसका · क्रोधरहित · सर्ववाणियोंको ईश्वरोंका ईश्वर · अर्थात् स्वामी · पुष्करतीर्थरूप · समुद्ररूप · पंचतत्त्वरूप · कुवेरदेवतारूप · ऐसे भगवान को नमस्कार दंडवत करते भये ॥ ८६ ॥

سُبرن بندُورکشوبھیہ سرب باگیشوریشورہ :: مہاہردو مہاگرتو مہابھوتو مہاندہ :: ۸۶ ::

ترجمہ - سبرن ہے بیج جسکا - کرودھ رہت - سرب بانیوں کو ایشوروں کا ایشور ارتھات سوامی - پُشکر تیرتھ روپ - سمُدر روپ - پنچ تتو روپ - کبیر دیوتا روپ - بھگوان کو نمسکار ہے :: ۸۶ ::

॥ ४ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ४

कुमुदः कुन्दरः कुन्दः पर्जन्यः
पावनोनिलः। अमृतांशोऽमृ
तवपुः सर्वज्ञः सर्वतोमुखः ८७

अर्थ –कमलरूप. पृथिवीके विदा
रणकरनेवाले. पृथिवीको देनेवाले.
वाराहअवतार. मेघरूप. पवित्रकर
नेवाले. पवनरूप. चन्द्रमारूप. मो
क्षरूप. सबको जाननेवाले. चारौं–
ओरहै मुखजिनके ऐसे ईश्वरकोप्र
णाम है ॥८७॥

सुलभः सुव्रतः सिद्धः शत्रुजि
च्छत्रुतापनः। न्यग्रोधोदुंब
रोऽश्वत्थश्चाणुरांध्रनिषूदनः

अर्थ –सदासबस्थानमें व्याप्त होनेवा
ले. श्रेष्ठनियमवाले. सिद्धकपिलमुनी
रूप. शत्रुओंकाजीतनेवाला. शत्रुओं
कोतपानेवाला. वटवृक्षरूप. गूलरवृ
क्षरूप. पीपलवृक्षरूप. परोपकारी.
अपनेमीठे फलोंसे सबको तृप्तकरने
वाले. चाणूरनामराक्षसके पैरोंको तो
ड़नेवाले कृष्णरूपको प्रणाम है ॥८८॥

کُمُدَہ کُندَرَہ کُندَہ پرجنّیَھ پاوَنوَنلھَہ ؞
امرتام شومرت وپُھ سربگیَّہ سرب
تومُکھَہ ؞ ۸۷ ؞

ترجمہ۔ کمل روپ۔ پرتھوی کو بِدارن کرنیوالا۔ پرتھوی کو
دینے والا۔ باراہ اوتار۔ میگھہ روپ۔ پوترکرنیوالا۔
پَون روپ۔ چندرما روپ۔ موکش روپ سب
کو جاننے والا۔ چاروں اور ہے مکھہ جسکا۔ ایسے
ایشر کو پرنام ہے ؞ ۸۷ ؞

سُلبھَہ سُبرَتہ سِدَّہ۔ شترُجچھترُ تاپنَہ ؞
نگرودھو دُمبرو شوتھیش جانُور
انگھرِ نشودنہ ؞ ۸۸ ؞

ترجمہ۔ سدا سب استھان میں بیاپت ہونیوالا۔ سریشٹھ
نیم والا۔ سِدّہ کپل منی روپ۔ شترونکا جیتنے والا۔
شتروں کو تپانے والا بٹ برکش روپ۔ گولر برکش
روپ۔ پروپکاری۔ اپنے میٹھے پھلوں سے سب کو ترپت
کرنیوالا۔ جانو نام راکشش کے پیروں کو توڑنے والے
کرشن روپ کو پرنام ہے ؞ ۸۸ ؞

सहस्रार्चिः सप्तजिह्वः सप्तै- धाः सप्तवाहनः। अमूर्तिरन घोऽचिंत्यो भयकृद्भय नाश- नः॥ ८९॥	سہسرارچہ سپت جہبہ سپتی دہاہ سپت باہنہ ؛؛ اموُرتی رنگہو چنتیو بھیے کرد بھیے ناشنہہ ؛؛ ٨٩ ؛؛
अर्थ - सहस्र किरणों वाले अग्निरूप· सातों लोकों में व्याप्त· सात बाहन· सप्त स्वरों में व्यापक· मूर्तिरहित· निष्पाप· जो चिंतन में न आसके· भय का करने वाला· दुष्टों को भक्तों के भय का नाशक जो है उनको प्रणाम है॥ ८९॥	ترجمہ۔ سہسروں کرنوں والا۔ اگنی روپ۔ ساتوں لوگوں میں بیاپت۔ سات باہن۔ سپت سروں میں بیاپک۔ مورتی رہت۔ نشپاپ۔ جو چنتن میں نہ آسکے۔ بھیے کا کرنے والا۔ دشٹوں کو بھگتوں کے بھیے کا ناشک جو ہے اُسکو پرنام ہے ؛؛ ٨٩ ؛؛
अणुर्बृहत्कृशः स्थूलो गुणभृ न्निर्गुणो महान्। अधृतः स्व धृतः स्वास्यः प्राग्वंशो वंश- वर्द्धनः॥ ९०॥	اَنُبرِہت کرِشستھولو گُن بھرِنِر گنوں مہان ؛؛ اَدہرِتہ سُدہرِتہ سُواسیہہ پراگونشو ونش بردہنہ ؛؛ ٩٠ ؛؛
अर्थ - छोटे रूप को धारण करने वाले· बड़े रूप को धारण करने वाले· दुबला· मोटा रूप धारी· गुणों को धारण करने हारा· निर्गुण गुणों से न्यारा· सब से बड़े परमेश्वर को प्रणाम है॥ ९०॥	ترجمہ۔ چھوٹے روپ کو دھارن کرنیوالا۔ بڑے روپ کو دھارن کرنیوالا۔ دُبلا۔ موٹا روپ دھاری۔ گنوں کو دھارن کرنے والا۔ نرگن گنوں سے نیارا۔ سب سے بڑے پرمیشور کو پرنام ہے ؛؛ ٩٠ ؛؛

भारभृत्कथितोयोगीयोगीशः
सर्वकामदः।आश्रमःश्रमणः
क्षामःसुपर्णोवायुवाहनः॥९१
अर्थ—वृषभरूप·कहाहुआयोगी-
रूप·योगियोंकास्वामी·सबकामनाओं
के देनेवाला·चारआश्रमरूप·परिश्र
मरूप·दुर्बलरूप·गरुड़कारूप·चै
तन्यरूप·वायूसेपरेजोभगवानहैं
उनकोनमस्कारहै॥९१॥
धनुर्धरोधनुर्वेदोदंडोदमयि-
तादमः।अपराजितःसर्वसहो
नियंतानियमोयमः॥९२॥
अर्थ—धनुषधारी·धनुर्वेदकेसूत्ररू
प·दुष्टोंकोदंडरूप·इन्द्रियोंकादमन
करनेवाला·चक्षुआदिइन्द्रियरूप·
औरोंसेनहींजीताजाय·सबसहनेवा
ला·क्षमारूप·क्षमाकरनेवाला·नि-
यमरूप·यमरूपभगवानकोप्रणा-
म है॥९२॥

بھار بھرت کتھتو یوگی یوگیشھ
سرب کامدہ :: آشرمھ شرمنھ
چھامھ سپرنو بایو باہنہ :: ۹۱ ::
ترجمہ۔ برکھبھ روپ۔ کہا ہوا یوگی روپ۔ یوگیوں کا
سوامی۔ سب کامناؤں کا دینے والا چار اشرم روپ
پرشرم روپ۔ دربل روپ۔ گروڑ روپ چیتنیہ
روپ۔ بایو سے پرے جو بھگوان ہے اسکو پرنام ۹۱:
دھنردھرو دھنرویدو دنڈو
دم یتہ دمھ :: اپراجتھ سرب
سہو نینتا نیمو یمھ :: ۹۲ ::
ترجمہ۔ دھنش دہاری۔ دھنروید کے سوتر روپ۔
دشٹوں کو ڈنڈ روپ۔ اندریوں کا دمن کرنیوالا۔
چکشو آدِ اندریہ روپ۔ اوروں سے نہیں جیتا
جائے۔ سب سہنے والا چھما روپ چھما کرنیوالا۔
نیم روپ یم روپ بھگوان کو پرنام ہے :: ۹۲ ::

सत्ववान्सात्विकःसत्यःस-
त्यधर्मपरायणः।अभिप्रायः
प्रियार्होऽर्हःप्रियकृत्प्रीतिवर्द्ध
नः॥९३॥

अर्थ – सतोगुण है विद्यमान जिसमें सतोगुणरूप · सत्यस्वरूप · सत्यधर्म में लगा हुआ · प्रयोजनरूप · प्यारा पूजने के योग्य · पूजारूप · प्रियकार्य करने वाला · प्रीतिके बढ़ानेवाले · परमेश्वर को प्रणाम है ॥९३॥

विहायसगतिर्ज्योतिःसुरुचि
र्हुतभुग्विभुः।रविर्विरोचनः
सूर्यःसवितारविलोचनः ९४

अर्थ – आकाशमें है गमन जिसका प्रकाशरूप · सुंदररुचिवाला · आहुतियोंके भोगनेवाला · संपतिरूप · सूर्य्यरूप · विशेषतासे प्यारा · साक्षात्सूर्य · जगकी उत्पत्ती करनेवाला · सूर्य है नेत्र जिसके · विराटरूप · ऐसे भगवान को वंदना है ॥९४॥

ستوّوان ساتوِکھ ستیہ ستیہ دھرم
پرایݨھ :: ابھ پرایہ پریارہو ہرھ
پریہ کرت پریت بردھنہ :: ۹۳

ترجمہ۔ ستوگن ہے بدّمان جس کے ستوگن روپ۔ ستیہ سروپ۔ ستیہ دہرم میں لگا ہوا۔ پریوجن روپ۔ پیارا پوجنے کے یوگیہ۔ پوجا روپ۔ پریہ کاریہ کرنیوالا۔ پریت کے بڑھانے والے پرمیشور کو پرنام ہے :: ۹۳ ::

وہائے سگتر جیوتھ سُرچِرہُت
بُھگ بِبھُ :: رورورچنھ سوریہ
سبتارب لوچنھ :: ۹۴ ::

ترجمہ۔ اکاش میں ہے گمن جسکا۔ پرکاش روپ سُندرُرچ والا۔ آہوتیوں کا بھوگنے والا سنپت روپ سوریہ روپ۔ وشیشتا سے پیارا ساکشات سوریہ جگ کی اوتپتی کرنیوالا۔ سوریہ ہین نیتر جسکے براٹ روپ ایسے بھگوان کو بندنا ہے :: ۹۴ ::

अनन्तोहुतभुग्भोक्ता सुखदो
नैकदोऽग्रजः। अनिर्विण्णः स-
दामर्षीलोकाधिष्ठानमद्भुतः॥
अर्थ – नहीं है पार जिसका · होमके
भोगनेवाला · भोगरूप · सुखका देनेवा
ला · अनेकवार अवतारधारण करने
वाला · सबसे पहले होनेवाला · निर्वि
ण्णरूप लज्जा · दुष्टोंके अर्थ क्रोधरूप ·
लोकोंका स्थिति रूप · अद्भुत विचित्र
भगवान को प्रणाम है ॥ ९५॥

सनात्सनातनतमः कपिलः
कपिरव्ययः। स्वस्तिदः स्वस्ति
कृत्स्वस्ति स्वस्तिभुक्स्वस्तिद-
क्षिणः॥ ९६॥

अर्थ – सदाहोनेवाला · बहुत ही पुरा
ना · कपिन्द्र मुनिका अवतार · हनुमानरू
प · अविनाशी · कल्याणका देनेवाला · क
ल्याणरूप · कल्याणका करनेवाला · क
ल्याणका भोगनेवाला · कल्याणरूपी द
क्षिणा देनेवाले भगवान को प्रणाम है ॥
॥ ९६॥

اننتوہت بہگ بہوگتا سکھہ دو
نیک جوگرجہ ؛ انروِنھہ سدا
مرشی لوک دِہشتان مدبہتھہ ۹۵

ترجمہ نہیں ہے پار جسکا - ہوم کا بہوگنے والا - بہوگ
روپ - سکھہ کا دینے والا - انیک بار او تار دہارن کرنیوالا -
سب سے پہلے ہونیوالا - نروِن روپ - لجّا -
دُشٹوں کے ارتھہ کرودھہ روپ - لوکوں کا
استہت روپ - ادبہوت بچتر بہگوان کو پرنام ہے ۹۵

سنات سنات نتمھ کپلھ کپ
ربیہ سُست دہ ؛ سُست کرت
سُستی سُست بہک سُست دکشنھ ۹۶

ترجمہ - سدا ہونیوالا - بہت ہی پرانا - کپندر منی کا اوتار -
ہنومان روپ - ابناشی - کلیاں کا دینے والا
کلیان روپ - کلیاں کا کرنے والا - کلیاں
کا بہوگنے والا - کلیاں روپی دکشنا دینے والے
بہگوان کو پرنام ہے ؛ ۹۶ ؛

अरौद्रः कुंडली चक्री विक्रम्यू-
र्जितशासनः। शब्दातिगः श-
ब्दसहः शिशिरः शर्वरीकरः ९७

अर्थ — भयानकरूपसे रहित · सर्व
व्यापक · चक्र है शस्त्र जिसका · बल
वानरूप · खोटे पुरुषोंको दंड देनेवाला
शब्दसे परे · शब्दका सहनेवाला · शिशि
रऋतुरूप · रात्रीके करनेवाले परमे-
श्वरको प्रणाम है ॥ ९७ ॥

अक्रूरः पेशलो दक्षो दक्षिणः
क्षमिणांवरः। विद्वत्तमो वी
तभयः पुण्यश्रवणकीर्तनः।
॥ ९८ ॥

अर्थ — शांतरूप · कोमलरूप · चतु
र · महाचतुर · क्षमाकरनेवालोंमें श्रेष्ठ
बड़ा विद्वान · जातारहा है भय जिस
का · पवित्र कीर्तनका सुननेवाला जो
ईश्वर है उसको नमस्कार प्रणाम क
रते भये ॥ ९८ ॥

ارودره کنڈلی چکری بکرم
یوجت شاسنه :: شدوا تگهه
شدوسهه ششره شربکره - ۹۷

ترجمہ - بھیانک روپ سے رہت - سرب بیاپک -
چکر ہے شستر جسکا - بلوان روپ - کھوٹے پرشونکو
ڈنڈ دینے والا - ششرت روپ - راتری کے
کرنیوالے پرمیشور کو پرنام ہے - ۹۷ ::

اکرورہ پیشلو دکشو دکشنه
چھمنام بره :: بدوتمو بیت بهیه
پنیه شرون کیرتنه :: ۹۸ ::

ترجمہ - شانت روپ - کومل روپ - چتر - مہاچتر
چھماکرنیوالوں میں سریشٹھ - بڑا بدوان - جاتا
رہا ہے بھیے جس کا - پوتر کیرتن کا سننے والا -
جو ایشور ہے اسکو پرنام ہے - ۹۸

उत्तारणो दुष्कृतिहा पुण्यो दुः
स्वप्ननाशनः। वीरहा रक्षणः
शांतो जीवनः पर्यवस्थितः॥
॥ ९९॥

अर्थ – उद्धार करनेवाला · पापों -
का नाश करनेवाला · पवित्र · खोटे स्व
प्न का नाशक · वीरों को मारनेवाला ·
रक्षा करनेवाला · शांत · जिवानेवाला
सर्वत्र स्थित · ऐसे भगवान को प्रणा
म है ॥ ९९॥

अनन्तरूपोऽनन्तःश्रीर्जित
मन्युर्भयापहः। चतुरस्त्रोग-
भीरात्मा विदिशो व्यादिशो -
दिशः॥१००॥

अर्थ – अंतर हित रूप · अंतरहित ·
लक्ष्मी का स्वामी · जीता है क्रोध जिस-
ने · भय को दूर करनेवाला · चारों दि-
शाओं में एकसार · छिपाहुआ आत्मा
रूप · विदिशाओं में व्यापक · सर्वतो व्या
पक · दिशारूप भगवान को प्रणाम है॥
॥ १००॥

اُوتّارنو دشکرتہا پنّیو دسّپن
ناشنھ ؛ بیرہا رکشنھ شانتو
جیونہ پریہ واستہتھ ؛ ۹۹ ؛

ترجمہ۔ اُودّہار کرنے والا۔ پاپوں کو ناش کرنیوالا۔
پوتر۔ کھوٹے سُپن کا ناشک۔ بیروں کو مارنے
والا۔ رکشا کرنے والا۔ شانت۔ جوانے والا۔
سرب استھتھ بھگوان کو پرنام ہے ؛ ۹۹ ؛

انت رُوپو ننتھ شریجتھ
منّیُربھیا پہھ ؛ چتُرسّروگبھیراتما
ودِشو دیا دِشو دشھ ۱۰۰

ترجمہ۔ انت رہت روپ۔ انت رہت لکشمی
کا سوامی۔ جیتا ہے کرودھ جسنے۔ بھئے کو دُور
کرنے والا۔ چاروں دشاؤں میں ایک سار۔
چھپا ہوا آتما روپ۔ ودشاؤں میں بیاپک۔ سرب
تو بیاپک۔ دسا روپ بھگوان کو پرنام ہے ؛ ۱۰۰ ؛

अनादिर्भूर्भुवोलक्ष्मीः सुवीरो रुचिरांगदः । जननोजननजन्मादिः र्भीमोभीमपराक्रमः ।१०१

अर्थ – जिससे पहले कोई नहीं था· पृथिवी अंतरिक्षलक्ष्मीरूप· सुंदर वीर· श्रेष्ठ बाजू पहरनेवाला· जन्म देनेवाला· सब जीवों से पूर्व है जन्म जिसका· भयानक है पराक्रम जिसका· ऐसे भगवान को नमस्कार है १०१

आधारनिलयोधातापुष्पहासः प्रजागरः । ऊर्ध्वगः सत्यथाचारः प्राणदः प्रणवः प्रणः ॥ २॥

अर्थ – आश्रयरूपी स्थान अर्थात् पृथिवी है स्थान जिसका· ब्रह्मरूप· मंद है हंसना जिसका· सदा जागनेवाला· ऊपर को जानेवाला· श्रेष्ठ मार्ग में चलनेवाला· प्राणों का देनेवाला· प्रणवरूप· प्रतिज्ञा पूरी करनेवाले भगवान को प्रणाम है ॥ २॥

انادِر بھُوربھُو ولکشمیہ سُبیرو

رُچرامگدہ :: جننوجن جنمادِہ

بھیمو بھیم پراکرمھ :: ۱ ::

ترجمہ جس سے پہلے کوئی نہیں تھا۔ پرتھوی انت رکِش لکشمی روپ۔ سُندر بیر۔ سریشٹھ بازو پھرنے والا۔ جنم دینے والا۔ سب جیووں سے پورب ہے جنم جس کا۔ بھیانک ہے۔ پراکرم جسکا ایسے بھگوان کو نمسکار ہے :: ۱ ::

آدھار نلیو دھاتا پُشپ ہاسھ پرجا

گرہ :: اُوردھگہ ستیہ تھاچارہ پرانِ

دہ پرنوہ پرنہ :: ۲ ::

ترجمہ۔ آشریہ روپی استھان ارتھات پرتھوی ہے استھان جسکا۔ برھم روپ۔ مند ہے ہنسنا جسکا۔ سدا جاگنیوالا اوپر کو جانیوالا۔ سریشٹھ مارگ میں چلنے والا۔ پرانوں کا دینیوالا۔ پرنو پرتگیا پوری کرنیوالے بھگوان کو نمسکار ہے :: ۲ ::

प्रमाणप्राणनिलयः प्राणभृ-
त्प्राणजीवनः। तत्त्वं तत्त्वविदे
कात्मा जन्ममृत्युजरातिगः ३
अर्थ – प्रमाण यथार्थ · प्राणोंका –
स्थान · प्राणोंका धारण करनेवाला ·
प्राणोंमें चैतन्य सत्ता देनेवाला · तत्व
रूप · सिद्धांतका जाननेवाला · आत्मा
रूप · जन्म और मरण और बुढ़ापे से
रहित जो है उसको नमस्कार है ॥३॥

भूर्भुवः स्वस्तरुस्तारः सविता
प्रपितामहः। यज्ञो यज्ञपति
र्यज्वा यज्ञांगो यज्ञवाहनः॥४॥
अर्थ – पृथिवी अंतरिक्ष और स्वर्ग रू-
पके लोकका वृक्षरूप · अर्थात् तीनों –
लोक रूपी वृक्षरूप · तारनेवाला · उत्प-
न्नकरनेवाला · ब्रह्मारूप · यज्ञरूप ·
यज्ञ अर्थात् होमका फल देनेवाला ·
स्वामी · होमकरनेवाला · यज्ञका अंग ·
यज्ञके देवताओंको फल देनेवाले
ईश्वरको प्रणाम है ॥४॥

پرمانم پران نلیہہ پران بھرت پران
جیونہ :: تتّم تتو ودیکاتما جنم مرتیو
جراتگہہ :: ۳ ::

ترجمہ - پرمان یتھارتھ پرانونکا استھان - پرانوں کو
دھارن کرنیوالا - پرانوں میں چیتنّ ستا دینے والا
تتو روپ - سدھانت کا جاننے والا - آتما روپ -
جنم اور مرن اور بڑھاپے سے رہت - جو ہے اسکو
نمسکار ہے :: ۳ ::

بھور بھوہ سوست رستارہ سپتا
پرپتامہہ :: یگیو یگیہ پتر یجوا یگیام
گو یگیہ واہنہ :: ۴ ::

ترجمہ - پرتھوی انترکش اور سورگ روپ کے
لوک کا برکش روپ ارتھات تینوں لوک روپی برکش
روپ - تارنے والا - اوتپن کرنے والا - برہما روپ
یگیہ روپ - یگیہ ارتھات ہوم کا پھل دینے والا
سوامی - ہوم کرنیوالا - یگیہ کا انگ - یگیہ کا دیوتاؤں
کو پھل دینے والے ایشور کو پرنام :: ۴ ::

यज्ञभृद्यज्ञकृद्यज्ञीयज्ञभुग-
यज्ञसाधनः। यज्ञान्तकृद्यज्ञ
गुह्यमन्नमन्नाद एव च ॥५॥

अर्थ - यज्ञको धारण करनेवाला। यज्ञका करनेवाला। यज्ञरूप। यज्ञका भोक्ता। यज्ञको सिद्ध करनेवाला। यज्ञका नाशक। यज्ञमें गुप्तरूप अन्नरूप। अन्नके दाता परमेश्वरको प्रणाम करते भये ॥५॥

आत्मयोनिः स्वयंजातो वैखा-
नः सामगायनः। देवकीनन्द
नः स्रष्टा क्षितीशः पापनाशनः
॥६॥

अर्थ - आत्माका योनिरूप। अपने आप उत्पन्न होनेवाला। वैखानस ऋषिरूप। सामवेदका गान करनेवाला। देवकीका आनन्द दाता। उत्पत्ती करने वाले। ऐसे भगवानको नमस्कार करते भये ॥६॥

یگیہ بھر دیگیہ کردیگی یگیہ بھگ
یگیہ سادھنہ :: یگیانت کرد
یگیہ گہیہ من ممنّاد اوچا :: ۵ ::

ترجمہ- یگیہ کو دھارن کرنیوالا۔ یگیہ کا کرنیوالا۔ یگیہ روپ یگیہ کا بھوکتا۔ یگیہ کو سدھ کرنیوالا۔ یگیہ کا ناشک یگیہ میں گپت روپ۔ ان روپ۔ ان کے داتا پرمیشور کو پرنام ہے :: ۵ ::

آتم یونہ سیم جاتو ویکھانہ
سام گاینہ :: دیوکی نندنہ
سرشٹھا چھتیشہ پاپ ناشنہ :: ۶ ::

ترجمہ- آتما کا یونی روپ۔ اپنے آپ اُوتپن ہونیوالا۔ ویکھانس رشی روپ۔ سام وید کا گان کرنے والا۔ دیوکی کا آنند داتا۔ اوتپتی کرنے والے بھگوان کو نمسکار ہے :: ۶ ::

शंखभृन्नन्दकी चक्री शार्ङ्ग-
धन्वा गदाधरः। रथांगपाणि
रक्षोभ्यः सर्वप्रहरणायुधः ॥ ७
अर्थ – पांचायण शंखको धारण क
रनेवाले· नंदकनाम खड्गका धारी·
एक हाथमें चक्र· शार्ङ्ग· धनुष है जि-
सका· गदाका धारण करनेवाला कृ
ष्णरूप· रथका पहिया भीष्मपिताम
ह पर लेधाया सब प्रकारसे· शस्त्रधा-
रीको प्रणाम है ॥ ७ ॥

इतीदं कीर्तनीयस्य केशव
स्य महात्मनः। नाम्नांसह-
स्रंदिव्यानामशेषेणप्रकीर्ति
तम ॥ ८ ॥
अर्थ – ये कीर्त्तन करने के योग·
केशव महात्मा के दिव्य सहस्रना-
म सब कह दिये ॥ ८ ॥

॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

شنکھہ بہرن نندکی چکری شارنگ
دہنوا گدادہرہ :. رتھانگ پانی
رکشوبھیہ سرب پرہرنایدہ :. ۷ :.

ترجمہ - پانچاین شنکھہ کو دہارن کرنیوالا - نندک نام کھڑگ
کا دہاری - ایک ہاتھہ میں چکر - شارنگ دہنش ہے جسکا
گدا دہارن کرنیوالا - کرشن روپ - رتھہ کا پہیا
بھیشم پتامھہ پرلے دہایا سب پرکارسے شستر دہاری
کو پرنام ہے :. ۷ :.

اِتی دم کیرتنی یسئے کیشو سئے
مہاتمنہ :. نامنام سہسر دبیا
نام شیشین پرکیرتم :. ۸ :.

ترجمہ - یہ کیرتن کرنے کے یوگ کیشو مہاتما
کے دبیئے سہسر نام سب کہہ دیئے :. ۸ :.

यइदंशृणुयान्नित्यंयश्चापि
परिकीर्त्तयेत् । नाशुभंप्राप्नु
यात्किंचित्सोमुत्रेहचमान
वः ॥९॥

अर्थ – जो इन नामों को नित्य सु
ने और जो नाम ले वह मनुष्य इस
लोक में और परलोक में किसी प्रका
र के अशुभ कार्य को प्राप्त नहीं होय

॥९॥ छ छ छ छ

وہ اِدَم شِرنُیانِتّیم یشچاپی پرِ
کیرت ایت :: ناشُبھم پراپُنیات
کِنچت سومُترِیھ چہ مانوہ :: ۹ ::

ترجمہ - جو ان ناموں کو نِتّیہ سُنے اور جو نام لے
وہ مُنشیہ اِس لوک میں اور پرلوک میں کسی پرکار کے
اشُبھ کو پراپت نہیں ہوئے :: ۹ ::

वेदान्तगोब्राह्मणःस्यात्क्ष
त्रियोविजयीभवेत् । वैश्यो
धनसमृद्धस्याच्छूद्रःसुख
मवाप्नुयात् ॥१०॥

अर्थ – ब्राह्मण तो वेदान्त शा-
स्त्र का ज्ञाता होय · और क्षत्रिय र-
ण में जीते · और वैश्य के धन बढ़े
और सूद्र सुख को प्राप्ति होय ॥

॥१०॥ ॥१०॥ ॥१०॥ ॥१०॥

॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥

ویدانت گو براہمنیات چھتریو
دجئی بہویت :: ویشیو دھن سمر
دھسیات چھدرہ سُکھ مواپنیات :: ۱۰

ترجمہ - براہمن تو ویدانت شاستر کا گیاتا ہوئے
اور چھتری رن میں جیتے - اور ویشیہ کے
دہن بڑھے - اور شودر سُکھ کو پراپت ہوئے
:: ۱۰ :: ۱۰ ::

धर्मार्थी प्राप्नुयाद्धर्ममर्थार्थी चार्थमाप्नुयात् । कामानवाप्नुयात्कामी प्रजार्थी प्राप्नुयात्प्रजा ॥११॥	دھرمارتھی پراپنیا دھرمے مرتھارتھی چارتھہ ماپنیات :: کامان واپنیات کامی پرجارتھی پراپنیات پرجا :: ۱۱ :
अर्थ - धर्म का चाहने वाला धर्म को पावे · धन का चाहने वाला धन को पावे · कामना वाले की कामना पूरी होय · संतान के चाहने वाले को संतान की प्राप्ति होय ॥११॥	ترجمہ۔ دھرم کا چاہنے والا دھرم کو پاوے۔ دھن کا چاہنے والا دھن کو پاوے۔ کامنا والے کی کامنا پوری ہووے۔ سنتان والے کو سنتان ملے :: ۱۱ :
भक्तिमान्यः सदोत्थाय शुचिस्तद्गतमानसः । सहस्रं वासुदेवस्य नाम्नामेतत्प्रकीर्तयेत् ॥१२॥	بھکت مانیہ سدو تھایہ شچستد گت مانسھہ :: سہسرم واسدیوسے نامنامے تت پرکیرت ایت ۱۲
अर्थ - जो सदा भक्ति युक्त हो उठकर परमेश्वर में मन लगा वासुदेव भगवान् के सहस्र नाम को पाठ करै ॥१२॥ ॥१२॥ ॥१२॥	ترجمہ۔ جو سدا بھگتی یکت ہو اُٹھ کر۔ پرمیشور میں من لگا واسدیو۔ بھگوان کے سہسر نام کو پاٹھ کرے۔ : ۱۲ :
॥श्री॥ ॥श्री॥ ॥श्री॥ ॥श्री॥	
॥६४॥ ॥६४॥ ॥६४॥ ॥६४॥	

यशः प्राप्नोति विपुलं ज्ञाति प्राधान्यमेव च । अचलां श्रियमवाप्नोति श्रेयः प्राप्नोत्यनुत्तमम् ॥ ३३ ॥

अर्थ — वह बहुत जस पावे और अपनी जाति में बड़ा कहावे · अचल लक्ष्मी को पावे · सब से अच्छा कल्याण होय ॥ ३३ ॥

न भयं क्वचिदाप्नोति वीर्य्यं तेजश्च विन्दति । भवत्यरोगो द्युतिमान् बलरूपगुणान्वितः ॥ ३४ ॥

अर्थ — और कहीं भय प्राप्त नहीं होय · पराक्रम और तेज को प्राप्त होय · रोगरहित · कांतिवान · बल और रूप · गुण · करिके युक्त होय · ॥ ३४ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३४ ॥

॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥

॥ छ ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥

یشھ پراپنوت وِپلم گیاتی
پرادھانیہ میوچا :: اچلام شریہ
مواپنوتی شریھیہ پراپنوتِ نُتمم :: ۱۳ ::

ترجمہ۔ وہ بہت جس پاوے اور اپنی ذات میں
بڑا کہاوے اچل لکشمی کو پاوے سب سے اچھا
کلیان ہوئے :: ۱۳ ::

نہ بھیم کواچداپنوتی بیریم تیجشچہ
وِندتی :: بھوتیہ روگودتِ مان
بل روپ گنانوِتہ :: ۱۴ ::

ترجمہ۔ اور کہیں بھئے پراپت نہیں ہوئے
پراکرم اور تیج کو پراپت ہوئے۔ روگ رہت
کانتی وان۔ بل اور روپ اور گُن کر کے یُکت
ہوئے :: ۱۴ ::

रोगार्त्तो मुच्यते रोगाद्बद्धो मुच्येत बंधनात्। भयान्मुच्येत भीतस्तु मुच्येतापन्न आपदः॥१५॥

अर्थ ~ रोगी रोगसे छूट जाय· बंधनमें पड़ा हुआ बंधन से छूट जाय· जिसको डर हुआ होय वह डर से छूट जाय· जिसको विपत पड़रही होय वह विपत से छूट-जाय· ॥१५॥

दुर्गाण्यतितरत्याशु पुरुषः पुरुषोत्तमम्। स्तुवन्नामसहस्रेण नित्यंभक्तिसमन्वितः॥१६॥

अर्थ ~ कठिन दुःखोंसे शीघ्र छूटजाय· पुरुष सहस्रनामोंस्तुति करता हुआ नित्य भक्तिसे पुरुषोत्तम भगवान की· ॥१६॥

॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥

روگارتو مچیتے روگات بدّہو
مچیت بندہنات :: بہیّان
مچیتے بہیتستو مچیے تاپن آپدہ :: ۱۵

روگی روگ سے چھوٹ جائے۔ بندہن میں پڑا ہوا بندہن سے چھوٹ جائے۔ ڈرا ہوا ڈر سے چھوٹ جائے۔ جسکو بپت پڑ رہی ہو وہ بپت سے چھوٹ جائے :: ۱۵ ::

درگانی ترتیا شو پرشہ پرشوتم ::
استون نام سہسر بیانتیہ
بھکتی سمنوِتہ :: ۱۶ ::

ترجمہ۔ کٹھن دکھیوں سے شیگھر چھوٹ جائے پرش سہسر نام استتی کرتا ہوا نت بھکتی سے پرشوتم بھگوان کی :: ۱۶ ::

वासुदेवाश्रयो मर्त्यो वासु
देवपरायणः । सर्वपाप
विशुद्धात्मा याति ब्रह्म स
नातनम् ॥१७॥

अर्थ – वासुदेव के आश्रय मनुष्य और वासुदेव में लगा हुआ मन वाला जीव सब पापों से छूटकर शुद्धात्मा हो· सनातन ब्रह्म में मिल जाता है ॥१७॥

नवासुदेवभक्तानां नशुभं
विद्यते क्वचित् । जन्ममृ-
त्युजराव्याधिभयं नैवोप
जायते ॥१८॥

अर्थ – वासुदेव भगवान के भक्तों को कहीं अशुभ नहीं होता. और जन्म मरण और बुढ़ापा और बुढ़ापा और व्याधि रोगों का भय भी नहीं होता ॥१८॥ ॥१८॥

॥५॥ ॥५॥ ॥५॥ ॥५॥ ॥५

بام دیو آشریو مرتیو واسدیو پراینہ:
سرب پاپ وشدّھاتما یات برمھ
سناتنم :: ۱۷ ::

ترجمہ۔ واسدیو کے آشرے منشیہ اور واسدیو میں لگا ہوا من والا جیو سب پاپوں سے چھوٹ کر شردّھاتما ہو سناتن برمھ میں مل جاتا ہے :: ۱۷ ::

نواسدیو بھکتانام نشبھم ودّتے
کچت :: جنم مرتیو جرا ویادھی
بھیم نیوپ جایتے :: ۱۸ ::

ترجمہ۔ باسدیو بھگوان کے بھکتوں کو کہیں اشبھ نہیں ہوتا۔ اور جنم مرن اور بڈھاپا اور ویادھی روگوں کا بھئے بھی نہیں ہوتا :: ۱۸ ::

इमंस्तवमधीयानश्श्रद्धाभ
क्तिसमन्वितः। युज्येता-
त्मासुखक्षांतिश्रीधृति-
स्मृतिकीर्तिभिः॥१९॥
अर्थ – जो इस स्तव को पढ़े श्रद्धा
और भक्ति के साथ वह सुख और -
क्षमा लक्ष्मी धीरज ज्ञान और कीर्ति
युक्त अपने आत्मा को करै - ॥१९॥

नक्रोधोनचमात्सर्यं नलो-
भो नाशुभामतिः। भवन्ति
कृतिपुण्यानां भक्तानां पुरु-
षोत्तमे॥२०॥
अर्थ – भगवान में भक्ति करने वा
ले पुरुषों ना तो क्रोध हो और ना
बुराई और ना लोभ हो· किये हैं
पुण्य जिन्होंने ॥२०॥ ॥२०॥ ॥२०
॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ
श्री श्री श्री श्री श्री श्री
॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥२०॥

اِمَم اَستَوَمدھِییانے شردھا
بھکتی سَمنوِتہ :: یُجّیَتّا تما سُکھ
شانتی شری دِھرتِسمرتِ کیرتِ
بھِہ :: ۱۹ :: ۱۹ ::
ترجمہ۔ جو اِس اِستَو کو پڑھے شردھا اور
بھکتی کے ساتھ وہ سُکھ اور چھما لکشمی دھیرج
گیان اور کیرتی یُکت اپنے آتما کو کرے :: ۱۹ ::

نَکرودھو نہ چہ ماتسریم
نہ لوبھو ناشُبھا متِھ ::
بھونتِ کرت پنّیا نام بھکتا
نام پُرشوتّمے :: ۲۰ ::
ترجمہ۔ بھگوان میں بھگتی کرنے والے پُرشوں
کو نا تو کرودھ ہو اور نا بُرائی نا لوبھ ہو گئے
ہیں پنّیہ جنھوں نے :: ۲۰ ::

द्यौः सचन्द्रार्कनक्षत्रा खंदिशो भूर्महोदधिः । वासुदेवस्य वीर्य्येण विधृतानि महात्मनः ॥२१॥

अर्थ — महात्मा वासुदेवके पराक्रम ने स्वर्गादि देवलोक चंद्रमा और सूर्य्य नक्षत्रों सहित आकाश दिशा पृथिवी समुद्र सबों को धारण कर रक्खा है ॥२१॥

ससुरासुरगन्धर्वं सयक्षोरगराक्षसम् । जगद्वशे वर्त्ततेदं कृष्णस्य सचराचरम् ॥२२॥

अर्थ — यह सारा जगत चराचर देवता असुर गंधर्व और यक्षों सहित उरग राक्षस सब कृष्ण के वसमें वर्त्तमान है ॥

॥२२॥ ॥२२॥ ॥२२॥ ॥२२

॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥

دیوہ سچندرارک نکشترا کھندشو بھورمہو ددہی ۔۔ واسدیو سیہ بیریئے ناودہرتانی مہاتمنہ ۔۔ ۲۱

ترجمہ۔ مہاتما واسدیو کے پراکرم نے سُرگ دیب لوک چندرما اور سورج نکشتروں سہت اکاش دشا پرتھوی سمندر سبوں کو دھارن کر رکھا ہے ۔۔ ۲۱ ۔۔ ۲۱ ۔۔

سسر اسر گندہرب سیکشو رگ راکشسم ۔۔ جگت دشو برت تیدم کرشنسیہ سچراچرم ۔۔ ۲۲

ترجمہ۔ یہ سارا چراچر جگت۔ دیوتا۔ اسر گندہرب اور یکشوں۔ سہت اُرگ راکشس سب کرشن کے بس میں برتمان ہیں ۔۔ ۲۲

इन्द्रियाणि मनोवुद्धिः सत्वं
तेजोवलं धृतिः। वासुदेवा-
त्मकान्याहुः क्षेत्रं क्षेत्रज्ञ-
एवच ॥२३॥

अर्थ ~ क्षेत्र शरीर क्षत्रज्ञ आ-
त्मा ज्ञानेन्द्रिय और वुद्धि सतोगु-
ण तेज पराक्रम धीरज ये सव म-
हात्माओं ने वासुदेव भगवान ही
के आत्मा कहे हैं ॥२३॥

सर्वागमानामाचारः प्रथ-
मं परिकल्पते। आचारः
प्रथमो धर्मो धर्मस्य प्रभु
रच्युतः॥२४॥

अर्थ ~ सव वेदादि शास्त्रोंका
आचार पहिले कल्पना किया है
आचार अर्थात् पवित्रता से धर्म
उत्पन्न होता है धर्म से अच्युत
भगवान की प्राप्ति होजाती है॥
॥२४॥ ॥२४॥ ॥२४॥ ॥२४॥

اندریانی منو بدہی ستّوم تیجو بلم
دہرتہہ ؛ واسدیو آتمکا نیاہہ
کشیترم کشیترگیہ ایو چہ ؛ ۲۳

ترجمہ۔ کشیتر شریر کشیترگیہ آتما۔ گیان اندری۔
بدہی۔ ستوگن۔ تیج۔ پراکرم۔ دہیرج۔ یہ
سب مہاتماوں نے واسدیو بھگوان ہی کے
آتما کہے ہیں ؛ ۲۳ ؛ ۲۳ ؛

سربا گمانا ماچارہ پرتہم پرکلپتے
اَچار پرتہو دہرمو دہرمسیہ پربہو
رچّتے ؛ ۲۴ ؛

ترجمہ۔ سب ویداد شاستروں کا آچار پہلے
کلپن کیا ہے آچار ارتھات پوترتا سے
دہرم اوتپن ہوتا ہے۔ دہرم سے اچُت
بھگوان کی پراپتی ہو جاتی ہے ؛ ۲۴؛

ऋषयः पितरो देवा महा-
भूतानि धातवः । जङ्गमा
जङ्गमं चेदं जगन्नारायणो
द्भवम् ॥२५॥

अर्थ — ऋषि पितर देवता पं-
च महाभूत सम धातु जंगम चल
ने वाले जीव अजंगम तृण वनस्प
ति आदि जीव और यह जगत् ना-
रायण से उत्पन्न हुआ है ॥२५॥

योगोज्ञानं तथा सांख्यं वि-
द्याः शिल्पादि कर्म च । वे-
दाः शास्त्राणि विज्ञान मेत-
त्सर्वं जनार्दनात् ॥२६॥

अर्थ — योग विद्या ज्ञान शास्त्र
वेदांत आदि वैसे ही सांख्य शास्त्र
और चतुर्दश विद्या शिल्पादिक
र्म चारों वेद षट शास्त्र और वि-
ज्ञान शास्त्र ये सब जनार्दन भगवा
न से उत्पन्न हुए हैं ॥२६॥

رِشیہ پِتر و دیوا مہابھوتان
دہاتوہ :: جنگما جنگمم چیدم جگنا
رائنود بہوم :: ۲۵ ::

ترجمہ۔ رِشی۔ پِتر۔ دیوتا۔ پنچ مہابھوت۔ سپت دہاتو
جنگم چلنے والے جیو۔ اجنگم۔ ترن۔ بناسپتی
آدِ جیو۔ اور یہ۔ جگت ناراین سے اوتپن
ہوا ہے :: ۲۵ :: ۲۵ ::

یوگو گیانم تتہا سانکہیم وِدّیاہ شلپادِ
کرم چا :: ویداہ شاستران وِگیانا
میتت سرّم جنارد نات :: ۲۶ ::

ترجمہ۔ یوگ۔ وِدّیا۔ گیان شاستر ویدانت۔ آدِ
ویسے ہی سانکہیہ شاستر اور چتردش وِدّیا شلپادِ کرم
چاروں وید کہٹ درشن یعنے شاستر۔ اور
وِگیان شاستر یہ سب جناردن بھگوان سے
اوتپن ہوئے ہیں :: ۲۶ ::

एको विष्णुर्महद्भूतं पृथ-
ग्भूतान्यनेकशः । त्रींल्लो-
कान् व्याप्य भूतात्मा भुंक्ते
विश्वभुगव्ययः ॥२७॥

अर्थ - एक विष्णु ही विराट रूप को धारण करके भिन्न २ अनेक प्रकार के तत्वों को तीनों लोकों में व्यापक होकर पंचभूतों का आत्मा संसार को भोगने वाला अविनाशी संसार के सुखों को भोगता है ॥२७॥

इदं स्तवं भगवतो विष्णो-
र्व्यासेन कीर्तितम् । पठे-
द्य इच्छेत्पुरुषः श्रेयः प्रा-
प्तुं सुखानि च ॥२८॥

अर्थ - यह विष्णु भगवान का स्तव व्यासजी ने कहा है जो पुरुष सुख और कल्याण को प्राप्त करना चाहे वह इसको पढ़े ॥२८॥

ایکو وِشنُور مہد بہُوتم پرتھگبہُوتانِ
نیک شہ :: ترِیم لوکان ویاپ
بہُوتاتما بہُنکتے بِشنُو بہُگ ویہ :: ۲۷ ::

ترجمہ - ایک وِشنُو ہی براٹ روپ کو دہارن کر کے بھِن بھِن انیک پرکار کے تتّوں کو تینوں لوکوں میں بیاپک ہو کر پنچ بہُوتوں کا آتما سنسار کو بہوگنے والا ابناشی سنسار کے سکھوں کو بہوگتا ہے :: ۲۷ ::

اِدم اِستوم بہگوتو وِشنور ویاسین
کیرتِتم :: پٹھید اِچھیت پُرشہ
شریہ پراپتُم سُکہانِچا :: ۲۸

ترجمہ - یہ وِشنو بہگوان کا اِستو بیاس جی نے کہا ہے جو پُرش سُکھ اور کلیان کو پراپت ہونا چاہے وہ اسکو پڑہے :: ۲۸ ::

विष्वेश्वरमजंदेवजगतः
प्रभवाप्ययम् । भजंतिये
पुष्कराक्षं नतेयान्ति पराभ-
वम् ॥२९॥

अर्थ — जो मनुष्य संसार के ईश्वर,
अजन्मा प्रकाशवान् जगत की उत्पत्ती
करने वाले कमलनयन को भजते हैं-
वे मनुष्य कभी हार को नहीं प्राप्त होंय
उनकी सदा जीत रहती है ॥२९॥

अर्जुनउवाच । पद्मपत्रवि-
शालाक्ष पद्मनाभ सुरोत्त-
मम् । भक्तानामनुरक्तानां
त्राताभव जनार्दन ॥३०॥

अर्थ — अर्जुन बोले । हे कमल के
पत्ते के समान बड़े नेत्र वाले · हे कम-
ल नाभ · हे देवताओं में उत्तम् · बड़े
ही भक्तों की पीड़ा दूर करने वाले आप
के अनुरागी स्नेही भक्तों के आप रक्षा
करने वाले होओ ॥ ३०॥

بشویشور مجم دیو جگتھ پربھواپیم
بھجنتے پُشکراکشم نتے یانتی پرابھوم ۲۹:

ترجمہ۔ جو منش سنسار کے ایشور اجنما پرکاش
وان جگت کی اوتپتی کرنے والے کمل نین کو بھجتے
ہیں وے منش کبھی ہار کو نہیں پراپت ہوویں
اُن کی سداں جیت رہتی ہے : ۳۰ :

ارجنُو باچا : پدم پتر وشالاکشے
پدم نابھ سُر وتّم : بھکتانامُن
رکتانام تراتا بھو جناردنا : ۳۰ :

ترجمہ۔ ارجن بولا۔ ہے کمل کے پتّے کے سماں
بڑے نیتر والے۔ ہے کمل نابھ۔ ہے دیوتاؤں
میں اُوتّم بڑے ہی بھکتوں کی پیڑا دور کرنے
والے آپ کے انراگی ار سنیہی بھکتوں
کے آپ رکشا کرنے والے ہو جاؤ۔ ۳۰۔

श्रीभगवानुवाच। योमांना-
मसहस्रेण स्तोतुमिच्छति
पाण्डव। सोहमेकेनश्लोके
नस्तुतएवनसंशयः॥३१॥

अर्थ — भगवान बोले। हे अर्जुन जो
मुझको सहस्र नामों से स्तुति करने
की इच्छा करता है सो मैं एकही-
श्लोक से स्तुति किया जाता हूं इस
में सन्देह नहीं॥३१॥

شری بھگوان باچا: یوماں نام
سہسر ینا اِستوت مچھتِ پانڈوا:
سوہمیکین اشلوکے نا اِستت
ایوَنہ سنشیہہ : ۳۱ :

ترجمہ بھگوان بولے۔ ہے ارجن جو مجھکو سہسر
ناموں سے اِستتی کرنے کی اچھا کرتا
ہے سو میں ایک ہی اشلوک سے استتی کیا
جاتا ہوں اس میں سندیہہ نہیں ہے : ۳۱ :

नमोस्त्वनन्ताय सहस्रमूर्त-
ये सहस्रपादाक्षिशिरोरु
बाहवे। सहस्रनाम्ने पुरु-
षाय शाश्वते सहस्रकोटी
युगधारिणेनमः॥३२॥

अर्थ — अंतरहित·अनेकमूर्ति·अने
कपाद·औरअनगिनतनेत्र·अनंतसिर
जांघ·हाथअनंत औरसहस्रों नाम वा
ले पुरुष निरंतर रूप सहस्रों और-
क्रोड़ों जुगों के धारण करने वाले तेरे
अर्थ नमस्कार है॥३२॥

نمو ستوننتائے سہسر مورتئے سہسر
پاداکش شِرورو باہوے: سہسر نامنے
پُرشائے شاشوتے سہسر کوٹی یُگ
دھارنے نمہ : ۳۲ :

ترجمہ۔ انت رہت۔ انیک مورتی انیک پاد۔ اور اگنت نیتر
انت سر جانگھ۔ ہاتھ انت۔ اور سہسروں نام والے
پرش نرنتر روپ۔ سہسروں اور کروڑوں جگوں کے
دھارن کرنیوالے تیرے ارتھ نمسکار ہے : ۳۲ :

नमः कमलनाभाय नमस्ते जलशायिने । नमस्ते केशवानन्त वासुदेव नमोऽस्तु ते ॥

अर्थ – कमलनाभ भगवान के अर्थ नमस्कार · जलशायी तेरे को नमस्कार है केशव हे अनंत तेरे अर्थ नमस्कार है सभूतों में वसने वाले वासुदेव तेरे अर्थ नमस्कार है ॥ ३३ ॥

वासनाद्वासुदेवस्य वासितं भुवनत्रयम् । सर्वभूतनिवासोऽसि वासुदेव नमोऽस्तु ते ॥ ३४ ॥

अर्थ – हे वसुदेव हे प्राणों के स्वामी त्वया वासना त्वनियार्थ प्रयमान भुवनत्रयं वासितं आपने अपनी इच्छा से तीनों भुवनों को वासा कर रक्खा है हे वासुदेव सर्वभूत निवासी जो आप हो सो (इनां) कामादिकों को (स्य) घातकर्मणि) नाशकरो · आप को नमस्कार है ॥ ३४ ॥

نمہ کمل نابھائے نمستے جل شائینے
نمستے کیشوانتنتے باسُدیو
نموستُتے ۳۳ ::

ترجمہ کمل نابھ بھگوان کے ارتھ نمسکار جل شاسی
تیرے کو نمسکار ہے کیشو۔ ہے ننت تیرے ارتھ نمسکار
ہے سبھوتوں میں بسنے والے باسدیو تیرے ارتھ کو نمسکار ہی ۳۳-

باسنا بُسدیو سئے واسِتم بھُوونترّیم ::
سرب بھُوت نِواسی نام باسُدیو نمو سُتُتے ۳۴

ترجمہ۔ ہے باسدیو ہے پرانوں کے سوامی تو یا باسنا
تر تیار ہنے پر یہ ماں بھونتریّم باسِتم آپ نے
اپنی اچھّا سے تینوں بھونوں کو باسا کر رکھا ہے
ہے باسدیو سرب بھوت نواسی جو آپ ہو سو
(ای نام) کامادکوں کو (سیئے) شانت کرمنی ناش
کرو آپ کو نمسکار ہے ۳۴ ::

नमो ब्रह्मण्य देवाय गो ब्रा-
ह्मण हिताय च । जगद्धि-
ताय कृष्णाय गोविन्दाय
नमो नमः ॥ ३५ ॥

अर्थ — दया करने वाले देवता के अ-
र्थ नमस्कार है और गौ ब्राह्मणों के हित
कारी संसार का भला करने वाले कृष्ण
गोविंद के अर्थ वारम्वार नमस्कार है ॥
॥ ३५ ॥

आकाशात्पतितं तोयं यथा
गच्छति सागरे । सर्व देव
नमस्कारः केशवं प्रति ग-
च्छति ॥ ३६ ॥

अर्थ — जैसे आकाश से पड़ा हु-
आ जल समुद्र में चला जाता है तै-
से ही भगवान् को की हुई नमस्का
र सब देवताओं को पहुंचे ॥ ३६ ॥

॥ ३६ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥
॥ छ ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥

نمو برہمن دیوائے گو براہمن
ہتائے چا: جگدہتائے
کرشنائے گوبندائے نمونمہ ۳۵:

ترجمہ۔ دیا کرنیوالے دیوتا کے ارتھ نمسکار ہے۔ اور
گو براہمنوں کے ہتکاری سنسار کا بہلا کرنیوالے کرشن
گوبند کے ارتھ نمسکار ہے : ۳۵ :

آکاشات پتتم تویم یتہا گچہت
ساگرے: سرب دیو نمسکارہ
کیشوم پرت گچہتی : ۳۶ :

ترجمہ۔ جیسے آکاش سے پڑا ہوا جل سمدر
میں چلاجاتا ہے۔ تیسے ہی بھگوان کو کی ہوئی
نمسکار سب دیوتاؤں کو پہونچے : ۳۶ :

सुषनिष्कण्टकः पन्था यत्र
सम्पूज्यते हरिः । कुपथन्तं
विजानीयाद्गोविन्दरहिता-
गवम् ॥ ३७ ॥

अर्थ – जहाँ हरिका पूजन किया जाता है येही बिना कांटों का मारग है और उसी को खोटा मारग जानो जो शास्त्र गोविंद की कीर्ति से रहित है ॥ ॥ ३७ ॥

सर्ववेदेषु यत्पुण्यं सर्व-
तीर्थेषु यत्फलम् । तत्फ-
लं समवाप्नोति स्तुत्वा देवं-
जनार्दनम् ॥ ३८ ॥

अर्थ – जो पुण्य चारों वेदों में और सब तीर्थों के करने में कहा है उसी फल को भगवान् की स्तुति कर के मनुष्य प्राप्त होता है ॥ ३८ ॥ ॥

॥ ३८ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३८ ॥
॥ ७० ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७० ॥

اَیش نِش کنٹکھہ پنتھا یتر سَم پُوجتے
ہَرِہ ؛؛ کُپتھنتم وِجانی یادگوبند
رہتاگمَم ؛؛ ۳۷ ؛؛

ترجمہ- جہاں ہری کا پوجن ہوتا ہے یہی بنا کانٹوں کا مارگ ہے- اور اُسی کو کھوٹا مارگ جانو جو شاستر گوبند کی کیرتی سے رہت ہے ؛؛ ۳۷ ؛؛ ۳۷ ؛؛

سَرب ویدیشُو یت پُنّیَم سرب
تیرتھیشو یت پھلم ؛؛ تت پھلم
سمواپنوتی اِستتّوا دیوم جنارد نم ؛؛ ۳۸ ؛؛

ترجمہ- جو پُنّیہ چاروں ویدوں میں اور سب تیرتھوں میں کرنے کا ہے اُسی پھل کو بھگوان کی اُستتی کر کے پراپت ہوتا ہے- ۳۸

योनरः पठते नित्यं त्रिकालं केशवालये। द्विकालमेककालं वा क्रूरं सर्वं व्यपोहति ॥३९॥

अर्थ - जो मनुष्य इसको भगवान के मंदिर में बैठकर नित्य तीन समय वा दो समय सायंकाल और प्रातःकाल में वा एक समय प्रातःकाल ही पाठ करे वह सारी क्रूरता को दूर करै ॥३९॥

दह्यन्ते रिपवस्तस्य सौम्याः सर्वे सदा ग्रहाः। विलियंते च पापानि स्तवे ह्यस्मिन्प्रकीर्तिते ॥४०॥

अर्थ - इस स्तोत्र के पढ़ने वाले के शत्रु आपही जल जाते हैं और सब ग्रह शांति हो जाते हैं और सब पाप नष्ट होजाते हैं ॥४०॥ ४०॥

॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥

یو نرہ پٹھتے نتیم ترکالم کیشوالئے ::
دوکالم میک کالم واکروں رم
سرم بیوہتی :: ۳۹ ::

ترجمہ۔ منش اسکو بھگوان کے مندر میں بیٹھ کر نتیہ تین سمے وا دو سمے۔ سایم۔ اور پراتہ کال میں وا ایک سمے پرات ہی پاٹھ کرے وہ ساری کرورتا کو دور کرے :: ۳۹ ::

دہینتے رپ وستسے سومیاہ
سربے سداگرہاہ :: ویلینتے چہ
پاپانی استوے ہیسمن پرکیرتتے :: ۴۰

ترجمہ۔ اس استوتر کے پاٹھ کرنے والے کے ششترو اپ ہی جل جائیں اور سب گرہ شانت ہو جائیں پاپ نشٹ ہوں :: ۴۰ ::

येनध्यातंश्रुतोयेनयेनायं-
पठितस्तवः। दत्तानिसर्वदा-
नानिसुराःसर्वेसमर्चिताः॥
॥४१॥

अर्थ – जिसने इस स्तव का पाठ कि-
या और जिसने सुना और जिसने ध्या
नसे ध्याया उसने सब दान दिये औ
र सब देवताओं का अर्चन कर लिया-
॥४१॥ ॥४१॥ ॥४१॥ ॥४१॥

इहलोके परे वापि न भयं वि-
द्यते क्वचित्। नाम्नां सहस्रं
योधीते द्वादश्यां मम सन्नि-
धौ ॥४२॥

अर्थ – जो मनुष्य द्वादशी के दिन
मेरे पास बैठकर सहस्रनाम के पाठ
करै उसको इस लोक में और परलो-
क में कहीं भय नहीं होय ॥४२॥
॥४२॥ ॥४२॥ ॥४२॥ ॥४२॥
॥घ॥ ॥घ॥ ॥घ॥ ॥घ॥ ॥घ॥

این دہیاتم شُرتو اینا اینایم
پٹھتستوہ :: دتّانِ سرب دانانی
سُراہ سربے سمرچتاہ :: ۴۱ ::

ترجمہ۔ جسنے اِس استو کا پاٹھ کیا اور جس نے
سُنا اور جسنے دہیان سے دہیایا اُسنے
سب دان دِئے اور سب دیوتاؤں کا پوجن
کرلیا :: ۴۱ :: ۴۱ :: ۴۱ ::

اِہ لوکے پرے واپی نہ بہیم وِدّتے
کچِت :: نامنام سہسرم یودہیتے
دواد شیام مم سنّدہو :: ۴۲ ::

ترجمہ۔ جو دوادشی کے دن میرے پاس
بیٹھ کر سہسر نام کے پاٹھ کرے اس کو اِس
لوک میں اور پرلوک میں کہیں بہے نہیں
ہوئے :: ۴۲ :: ۴۲ :: ۴۲ ::

सनिर्दहति पापानि कल्पकोटिशतानि च । अश्वत्थसन्निधौ पार्थ कृत्वा मनसि केशवं ॥४३॥

अर्थ – हे अर्जुन जो मन में भगवान को ध्यान करके पीपल के पास स्थित होके इसको पढ़े वह मनुष्य कोटि कल्प के किये हुए पापों को भी जला देता है ॥४३॥

पठेन्नाम सहस्रं तु गवां कोटि फलं लभेत् । शिवालये पठेन्नित्यं तुलसीवन संस्थितः ॥४४॥

अर्थ – महादेव जी के मन्दर में वा तुलसी के बन में बैठकर जो सहस्रनाम का पाठ करै वह कोटि गऊ के फल को पावे ॥४४॥

नरो मुक्तिमवाप्नोति चक्रपाणिर्वचो यथा । ब्रह्महत्यादिकं पापं सर्वं पाप विनश्यति ॥४५॥

अर्थ – मनुष्य मुक्ती को प्राप्त होजाता है यह वचन भगवान का है और ब्रह्महत्यादिक पाप नाश होजाते हैं ॥४५॥

इति विष्णुसहस्रनाम सटीक सं

سنر دہت پاپانی کلپ کوٹی شتانچا
اشوتہہ سندہو پارتھے کرتوا منس
کیشوم ۔ ۴۳ ۔

ترجمہ - ہے ارجن جو من میں بھگوان کو دھیان کرکے پیپل کے پاس استت ہوکر اسکو پڑھے وہ منش کوٹ کلپ کے کیے ہوئے پاپوں کو بھی جلا دیتا ہے ۔ ۴۳ ۔

پٹھے نام سہسرم تو گوام کوٹی پھلم
لبھیت ۔ شوائے پٹھے نتیم تلسی
بن سنستھہ ۔ ۴۴ ۔

مندر میں وا تلسی کے بن میں بیٹھکر جو سہسر نام کا پاٹھ کرے وہ کوٹ گؤ کے پھل کو پاوے ۔ ۴۴ ۔

نرو مکت مواپنوتی چکرپانر وچو یتھا ۔
برھمہتیا دکم پاپم سربم پاپ
ونشتی ۔ ۴۵ ۔

ترجمہ منش مکتی کو پراپت ہوجاتا ہے یہ بچن بھگوان کا ہے اور برھم ہتیادک پاپ ناش ہوجاتے ہیں ۔ ۴۵ ۔

یہ وشنو سہسر نام معہ ترجمہ تمام ہوا

... بھاگوت بارھواں اسکندھ ... بھاشا ... ین سری کرشن جی کی تمام لیلا میں درج ہیں جو ایک نہایت عمدہ سلیس بھاشا زبان میں معہ تصاویر چھاپی گئی ہے۔ للعہ

سریمد بھاگوت بارھواں اسکندھ مصنفہ گنپت رائے کرت معہ تصاویر عہ

بھاگوت منظوم جگناتھ خوشتر ۶/

اشن نامہ عرف بھاگوت ساو ۸/

دم اسکندھ سریمد بھاگوت مصنفہ دیوان سردار سنگھ ۸/

اسگای بھاگوت پورا ترجمہ بارھوں چہ ... جو کہ مہاراج کشمیر والے نے پریم ودئی ہے قیمت ۸/

ترجمہ ساگر بھاگوت کے دشم اسکندھ کا // جس میں سری کرشن کی لیلا درج ہیں ... منظوم ۸/

نظر ... فارسی ... تلسی کبیر ... چھوں اسکندھ للعہ

ناگری رامائن ... عرف ... ایضاً رامائن کا ترجمہ ۸/

ایضاً ... نظم

اس کو ... مصنفہ سکھدیو ۸/

ایضاً ...

گیتا جو ... بھارت کی ... بھگتی ... کیا ہے ... سکتا ہے کیونکہ ... ہے ... سمجھ ...

جو اپنی خوبی کے سبب ہاتھوں ہاتھ فروخت ہو گئی کانڈ باقی ہیں فوراً منگا لو ورنہ افسوس ہوگے۔

بال کانڈ - اجودھیا کانڈ - کسکندہ کانڈ سندر کانڈ - اُتر کانڈ

تلسی کرت رامائن نظم اردو مصنفہ شنکر دیال فرحت ۶/

ایضاً جگناتھ خوشتر ۲/

تلسی کرت رامائن بہار نظم ۵/

رامائن سور کرت

رامائن ادبھت کاشی فارسی نثر

رامائن بیدل فارسی معروف نرگستان ۵/

رامائن اردو نثر ساتوں کانڈ ۸/

رامائن بالمیکی اردو بھاشا نثر ساتوں کانڈ

مہابھارت ... اردو ایک صفحہ میں اصل سنسکرت اور دوسرے صفحہ میں اس کے معنی اردو معہ نمبر اشلوک چھاپہ قدیم ۵۰/

// صرف شانتی پرب

براہمن گیتا مہابھارت کی

بشنو سہسر نام مہابھارت

مہابھارت منظوم اردو ۸/

بتوا پدیش اردو ۸/

کتاب ست نرائن سوامی

// نظم ۱/

بھگت مال معہ فرہنگ

// اجامل کرت

ہنومان چالیسہ ...

کالیستھ ادبی

کالیستھ ہرن نرنی ۵/

مخزن برہم گیان آئینہ مذہب ہنود

شیو پُران نظم

جنم ساکھی اردو ۶/

بہار بندرابن

مجموعہ ستوتی ۳/

سائیں کے سو خیال معروف ... ۵/

گلستان خیالات گوہر دو حصہ ۱۲/

خیالات ... لعنی خیال ... ۶/

برہمگیان ۵/

لاونی برہمگیان یعنی بنارسی ... ۸/

کاشی نریس کے خیال ... دو حصہ ۶/

بارہ ماسہ جس میں کرشن جی کی لیلا ... لاونی و خیال ہیں مصنفہ لالہ ... سنگھ دو حصہ ۶/

بارہ ماسہ ... دو حصہ ... عمدہ بھگوت بھگتی کی کہانیاں ... بغیر ختم کئے کتاب چھوڑنے کو جی نہ چاہے ۳/

بشن بھگتی یہ کتاب جوگ بسشٹ ... کرم کانڈ اپاسنا گیان ... ۳/

جس کا دن ... بھگت ... اردو - یہ کتاب ... کی ان لیلاؤں اور ... جو وقتاً فوقتاً ... حاصل کرنے کے لئے یا کسی مصیبت کے رفع کرنے کے لئے ...

گیان ... اور درشن کا بیان ۳/

غنچہ ... نظیر ... ۳/

ٹھمریاں غزل ملار استوتی وغیرہ ہیں ۵/

خوشحال لال اس چھوٹے رسالہ میں کبیر داس جی کے بھجن ہیں قیمت ۱۲/

بارہ کھڑی کشن داس ۱/

بارہ کھڑی ہر دیو

بارہ ماسہ رام چندر

بارہ ماسہ غیرت شاہ ۱/

بارہ ماسہ ... نام ۱/

بارہ ماسہ رکمنی ۱/

بارہ ماسہ الہ بخش ۱/

بارہ ماسہ بھرت ۱/

بارہ ماسہ ... مادھو ۱/

بارہ ماسہ سوتی رام ۱/

بارہ ماسہ روشن لال ۱/

مجموعہ بارہ ماسہ ۱/

بارہ ماسہ مرد ... ۱/

بارہ ماسہ عنایت علی ۱/

بارہ ماسہ ... ۱/

بارہ ماسہ رامائن ... رام چندر جی جگن ناتھ کرت

بارہ ماسہ رامائن ... مصنفہ ... ۱/

... بارہ ...

... کا ...

... سب قسم کی کتابیں بذریعہ ویلیو پی ایبل ... روانہ ہو سکتی ہیں

